Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-19 01-15 अक्टूबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

आज भारत में डेयरी कोऑपरेटिव का एक विशाल नेटवर्क है: नरेन्द्र मोदी

'पंच प्रण' ने भारत की चेतना को नया आकार दिया

देश को दिशा दिखा गए दीनदयाल उपाध्याय

प. बंगाल: 'नबान्न चलो' मार्च पर पुलिसिया अत्याचार दमन की पराकाष्ठा

मोरबी (गुजरात) में 20 सितंबर, 2022 को एक रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं अन्य वरिष्ठ नेतागण

चुमुकेदिमा (नागालैंड) में 16 सितंबर, 2022 को ऑटो रिक्शा रैली का नेतृत्व करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

पंजाब लोक कांग्रेस के भाजपा में विलय के बाद 19 सितंबर, 2022 को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और पंजाब के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से भेंट की

पूर्णिया (बिहार) के रंगभूमि मैदान में 23 सितंबर, 2022 को एक विशाल 'जन भावना महासभा' को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

हैदराबाद में 17 सितंबर, 2022 को 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती की पूर्व संध्या पर 24 सितंबर, 2022 को 'दीनदयाल उपाध्याय: जीवन दर्शन और समसामयिकता' का विमोचन करते उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और अन्य गणमान्य जन

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 प्रधानमंत्री मोदीजी ने अपना सारा जीवन देश और मानवता की सेवा में लगाया है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 सितंबर, 2022 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता एवं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर उनके व्यक्तित्व एवं...

11 'तमिलनाडु में कमल खिलने जा रहा है'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 22 सितंबर, 2022 को अपने दो दिवसीय प्रवास पर तमिलनाडु पहुंचे, जहां पहले दिन...

15 प्रधानमंत्री ने भारत से विलुप्त हो चुके जंगली चीतों को कुनो नेशनल पार्क में छोड़ा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को भारत से विलुप्त हो चुके जंगली...

30 सेवा के माध्यम से आम जनता को सशक्त बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 20 एवं 21 सितंबर, 2022 को दो दिवसीय गुजरात प्रवास पर रहे। पहले दिन...

33 केन्द्रीय गृह मंत्री ने 75वें हैदराबाद मुक्ति दिवस और सेवा कार्यक्रम में भाग लिया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 17 सितंबर को तेलंगाना में 75वें...

वैचारिकी

देश को दिशा दिखा गए दीनदयाल उपाध्याय / **तरुण चुघ** 23

श्रद्धांजलि

प्रख्यात हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव नहीं रहे 26
ओडिशा विधानसभा में भाजपा के उपनेता विष्णु चरण सेठी का निधन 26
मध्य प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता उमेश शर्मा नहीं रहे 26

लेख

भागीदारी लोकतंत्र की आधारशिला / **जगत प्रकाश नड्डा** 14
जन आकांक्षाओं को पूर्ण करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी / **शिव प्रकाश** 16

अन्य

'नबान्न चलो' मार्च पर हुए बर्बरतापूर्ण पुलिसिया अत्याचार दमन की पराकाष्ठा 10
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का नागालैंड प्रवास 12
'भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बना दिया है' 18
जन-भावना महासभा में उमड़ी भीड़ लालू-नीतीश सरकार के लिए चेतावनी का सिग्नल है: अमित शाह 19
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 30 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी 20
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को दी मंजूरी 21
'मन की बात' 25
मोदी सरकार की ज्यादातर योजनाएं 'अंत्योदय' पर आधारित हैं 27
एससीओ को विश्वस्त, रेसिलिएंट और डायवर्सिफाइड सप्लाई चेन्स विकसित करने चाहिए: नरेन्द्र मोदी 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

हिन्दी ने विश्वभर में भारत को एक विशिष्ट सम्मान दिलाया है। इसकी सरलता, सहजता और संवेदनशीलता हमेशा आकर्षित करती है। हिन्दी दिवस पर मैं उन सभी लोगों का हृदय से अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने इसे समृद्ध और सशक्त बनाने में अपना अथक योगदान दिया है।

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी ने 'विकसित भारत' की संकल्पना की सिद्धि हेतु जिस 'पंच प्रण' का आह्वान किया है, आइए, हम सभी इन प्रणों को पूर्ण करने में प्रतिबद्धता सुनिश्चित करें।

अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में गत 8 साल में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे, जिसमें सहकारिता क्षेत्र बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा।

राजनाथ सिंह

भारतीय इतिहास में 11 सितम्बर का दिन स्वामी विवेकानंद द्वारा 1893 में शिकागो में दिए संबोधन के लिए याद किया जाता है। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति से विश्व का परिचय कराया और भारतीय मेधा शक्ति की अमिट छाप भी छोड़ी।

बी.एल. संतोष

केरल की सड़कों पर पीएफआई के अमर्यादित व्यवहार और गुंडागर्दी के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) या कांग्रेस की ओर से आलोचना का एक शब्द भी नहीं आया। केरल के मौन बहुसंख्यक यह सब देख रहे हैं।

सर्बदानन्द सोनोवाल

लोकसभा प्रवास कार्यक्रम के दौरान बोरसद विधानसभा क्षेत्र की व्यवस्था टीम के साथियों के साथ बैठक कर आगामी रणनीति पर संवाद किया तथा व्यक्ति से राज्य व राज्य से राष्ट्र निर्माण में सहायक योगदान हेतु सभी को प्रेरित किया।

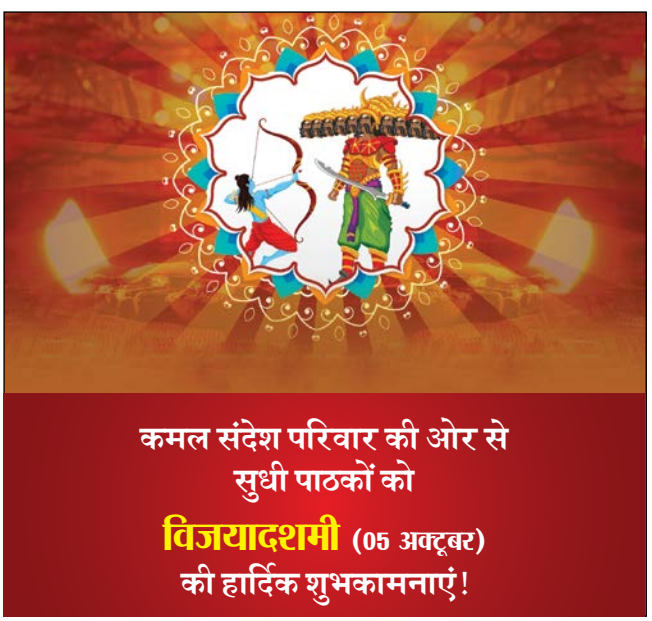

संपादकीय

नेतृत्व के उच्च मानदंड स्थापित करते प्रधानमंत्री मोदीजी

जब पूरा देश अपने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन मना रहा है, भारतीय जनता पार्टी जनसेवा के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार को शोषित, वंचित, पीड़ित, दलित, आदिवासी, महिला एवं युवा के कल्याण के प्रति समर्पित कर पूरे देश को कमजोर एवं असुरक्षित वर्गों के विकास का संकल्प लेने की प्रेरणा दी है। 'अंत्योदय' एवं 'एकात्म मानवदर्शन' के सिद्धांतों को मूर्तरूप देते हुए प्रधानमंत्रीजी ने जनसेवा, स्व-अनुशासन, अथक प्रयास, अटूट प्रतिबद्धता एवं दायित्व बोध के नए आदर्श स्थापित किए हैं। नेतृत्व के उच्च मानदंड को स्थापित करते हुए अपने स्वयं के उदाहरण से उन्होंने देश में जनसेवा की ज्योति जन-जन के हृदय में प्रज्वलित कर दी है।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के चुनौती भरे काल में जन-जन को मानव सेवा में समर्पित होने को जिस प्रकार से प्रधानमंत्रीजी ने प्रेरित किया, उसे कौन भूल सकता है। जब देश भर में चिकित्सक, नर्स, चिकित्सकीय कर्मचारी, कोरोना योद्धा, प्रशासकीय अधिकारी कोविड-19 वैश्विक महामारी से जूझ रहे थे, प्रधानमंत्रीजी के आह्वान पर भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' कार्यक्रम के अंतर्गत जनसेवा के नए कीर्तिमान रच रहे थे। मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को महीनों तक निःशुल्क राशन तथा महिला, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और समाज के कमजोर वर्गों को सहायता कर विश्व रिकार्ड स्थापित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र एवं विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारें जनसेवा एवं दायित्व के प्रति समर्पण के पर्याय बन गईं। इसका परिणाम देश में ही 'मेड इन इंडिया' टीकों के निर्माण एवं उत्पादन तथा रिकार्ड कम समय में जनता को दिए गए 200 करोड़ से अधिक निःशुल्क कोविड-रोधी टीकों की खुराक में देखा जा सकता है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर 2022 से महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती 02 अक्टूबर 2022 तक 'सेवा पखवाड़ा' का शुभारंभ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के कर कमलों से हुआ। प्रधानमंत्रीजी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज जब देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'पंच प्रण' का दर्शन देकर भारत के मानस को एक नया स्वरूप दिया है तथा हमारे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विश्व के मानचित्र पर स्थापित कर दिया है। 'सेवा पखवाड़ा' में पूरे देश में बड़ी संख्या में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण कैंप, दिव्यांगों के लिए निःशुल्क उपकरण, असमर्थों को टीककरण केन्द्र ले जाकर टीकाकरण, पीपल वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान पर्यावरण संरक्षण, अन्य जनजागरण अभियान जैसे सेवा कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ता चलाएंगे। इन सेवा कार्यक्रमों के अलावा प्रधानमंत्रीजी के जीवन एवं कर्तृत्व से प्रेरणा लेने के लिए हर जिले में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। जहां भाजपा कार्यकर्ता गांधी जयंती के अवसर पर खादी उत्पाद क्रय करेंगे तथा अमृत सरोवर के निर्माण कार्य में श्रमदान करेंगे, वहीं लोगों को स्वदेशी उत्पाद तथा 'वोकल फॉर लोकल' अभियान के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

आज जब लोग बड़ी संख्या में 'सेवा पखवाड़ा' में भागीदारी कर रहे हैं, राष्ट्र जनसेवा के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित कर रहा है

देश के प्रधानसेवक के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब व कमजोर वर्गों में आशा एवं विश्वास की नई किरण जगाई है। सरकार की कल्याण योजनाओं में गरीब, किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, रेहड़ी-पटरी वाले एवं समाज के निचले पायदान के हर व्यक्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। आज जब देश देखता है कि स्वयं प्रधानसेवक स्वच्छता अभियान में झाड़ू लगाता हो, सफाईकर्मियों के पैर पखारता हो, समुद्र तट पर सुबह की सैर में कूड़ा बीनता हो, देश के श्रमिक, दिव्यांग एवं महिला को सम्मान करता हो तथा वास्तविक समाजसेवियों का पद्म पुरस्कार से सम्मानित कर 'पीपल्स पद्म' की अवधारणा को साकार करता हो, तब राष्ट्र का कमजोर एवं असुरक्षित वर्गों के प्रति दायित्व बोध जागृत हो उठता है। आज जब लोग बड़ी संख्या में 'सेवा पखवाड़ा' में भागीदारी कर रहे हैं, राष्ट्र जनसेवा के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित कर रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

सेवा पखवाड़ा

प्रधानमंत्री मोदीजी ने अपना सारा जीवन देश और मानवता की सेवा में लगाया है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 सितंबर, 2022 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता एवं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को दर्शाती एक प्रदर्शनी और पार्टी कार्यालय में ही रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

श्री नड्डा ने अपने संदेश में कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस की अनंत अशेष शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व ने भारत के भाग्य व भविष्य को नई दिशा दी है। आजादी के अमृतकाल के पुनीत अवसर पर 'पंच प्रण' के माध्यम से आपने नवीन भारतीय चेतना को आकार दिया है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक अधिष्ठान प्राप्त हुए हैं। इनके सर्वकालिक निरंतरता के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता कृतसंकल्पित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि हमें सदैव आपका नेतृत्व प्राप्त होता रहे। आप यशस्वी हों, आप दीर्घायु हों।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीजी ने अपना सारा जीवन देश और मानवता की सेवा में लगाया है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उनके जन्मदिन को 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाते आये हैं। इस बार भी यह 'सेवा पखवाड़ा', आज 17 सितंबर से शुरू होकर पूज्य बापू एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती, 2 अक्टूबर तक मनाई जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता देश भर के सभी बूथों,

मंडलों, जिला सहित अनेक केन्द्रों पर 'सेवा पखवाड़ा' मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मुझे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। इस प्रकार की प्रदर्शनी सभी प्रदेश एवं जिला भाजपा कार्यालयों सहित विभिन्न केन्द्रों पर लगायी गई है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्रीजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अधिक से अधिक लोग जान सकेंगे और उससे प्रेरणा भी ले सकेंगे।

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान सेवा के विभिन्न आयामों पर काम करेंगे। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सेवा कार्यों की एक लंबी श्रृंखला है जिसे भाजपा कार्यकर्ता देशभर में कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने तय किया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस मनाने का यही सही तरीका है। आज के दिन भाजपा के लाखों कार्यकर्ता एक रिकार्ड बनाते हुए रक्तदान कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही, अस्पतालों में जाकर मरीजों की सेवा भी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पार्टी कार्यकर्ता अनाथालयों में जाकर अनाथ बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर खुशियां बांटते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मोत्सव मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के प्रथम दिन भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न जगहों पर शिविर लगाकर दिव्यांगों को कृत्रिम अंग एवं उपकरणों का वितरण किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक बैगों को इकठ्ठा करना एवं पॉलिथीन बैग का इस्तेमाल नहीं करना आदि मुद्दों के प्रति लोगों के बीच जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

> माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भाजपा ने सभी राज्यों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है। मुझे बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि अभी तक 1 लाख से अधिक लोगों ने रक्तदान के इस पावन कार्य में योगदान किया है।यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। सभी को साधुवाद।
>
> **– जगत प्रकाश नड्डा,**
> भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

बस्ती संपर्क अभियान

'मोदीजी का जन्मदिन मनाना लोगों में सेवाभाव जागृत करने का अवसर'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 17 सितंबर, 2022 को करोलबाग, नई दिल्ली के राज वाटिका ईस्ट पार्क रोड से भाजपा, अनुसूचित जाति मोर्चा के तत्वावधान में शुरू किये गए 'बस्ती संपर्क अभियान' का शुभारंभ किया और इस अवसर पर एकत्रित जनता को संबोधित किया। कार्यक्रम में भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य श्री सत्यनारायण जटिया, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय संगठक श्री वी. सतीश, भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्या, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता, पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री एवं दिल्ली की सह-प्रभारी श्रीमती अलका गुर्जर और दिल्ली प्रदेश एससी मोर्चा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र गोठवाल सहित एससी मोर्चा के कई वरिष्ठ अधिकारी और दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम से पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सी.टी. रवि भी वर्चुअली जुड़े थे। साथ ही, देश भर में 30 जगहों से भी एससी मोर्चा के कई अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम से जुड़े थे।

> यह हमारा सौभाग्य है कि हम उस महान व्यक्तित्व का आज जन्मदिन मना रहे हैं जो हमारे प्रधानमंत्री हैं, हमारे पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं, दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय जन-नेता हैं और जिन्होंने देश व दुनिया में अपना स्थान अपने तप, अपनी सेवा और अपने कर्म से बनाया है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम उस महान व्यक्तित्व का आज जन्मदिन मना रहे

हैं जो हमारे प्रधानमंत्री हैं, हमारे पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं, दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय जन-नेता हैं और जिन्होंने देश व दुनिया में अपना स्थान अपने तप, अपनी सेवा और अपने कर्म से बनाया है। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे इस बात की भी ख़ुशी है कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता आज देश भर में हजारों स्थानों पर 'सेवा पखवाड़ा' मना रहे हैं। यह भाजपा कार्यकर्ताओं की बहुत ही उत्तम सोच है क्योंकि प्रधानमंत्रीजी का पूरा जीवन देश की सेवा, मानवता की सेवा और गरीब, दलित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। उनका जन्मदिन मनाना हर्ष का विषय तो है ही, लेकिन यह लोगों में सेवाभाव जागृत करने का अवसर भी है। आज पार्टी कार्यकर्ता कई जगहों पर 'ब्लड डोनेशन' कैम्प्स लगा रहे हैं और रक्तदान कर रहे हैं।

बस्ती संपर्क अभियान को जनभागीदारी का कार्यक्रम बनाएं

श्री नड्डा ने कहा कि जैसाकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जनता ही हमारी ताकत है और हम जनता के लिए ही काम करते हैं, इसलिए सभी काम जन-भागीदारी से हो रहे हैं। हमें बस्ती संपर्क अभियान को भी जनभागीदारी का कार्यक्रम बनाना है और इसके साथ-साथ लोगों को भारतीय जनता पार्टी से भी जोड़ना है। लोगों को यह भी बताना है कि किस तरह ये सारे कार्यक्रम उनकी ही भलाई के लिए हो रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि अनुसूचित जाति मोर्चा इस काम को बखूबी अंजाम देगा। हमें बस्ती के लोगों से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं से लोगों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा करेंगे। हम महिला सशक्तीकरण के लिए प्रधानमंत्रीजी द्वारा लिए गए इनिशिएटिव के बारे में भी उनके साथ चर्चा करेंगे।

उन्होंने कहा कि 1951 से लेकर आज तक की हमारी यात्रा समाज और देश की भलाई के लिए ही समर्पित रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय का सिद्धांत प्रतिपादित किया था, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की अवधारणा में बदलते हुए सभी सरकारी योजनाओं की 'लास्ट माइल डिलीवरी' सुनिश्चित की है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा और पार्टी कार्यकर्ताओं की यह जिम्मेदारी है कि वे इस बात की पहरेदारी सुनिश्चित करें कि केंद्र सरकार की सभी जनोपयोगी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में लगभग 30 प्रतिशत, जल जीवन मिशन में लगभग 32 प्रतिशत, पीएम आवास योजना में लगभग 34 प्रतिशत लाभ अनुसूचित जाति को मिला है। इसी तरह आयुष्मान भारत योजना का भी सबसे अधिक फायदा गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को ही मिला है। आज लाभार्थियों तक पूरी सहायता बिना किसी बिचौलिए के सीधे उनके बैंक एकाउंट में पहुंचता है, वरना कांग्रेस के जमाने में तो

11 टीबी मरीजों की चिंता करने का जिम्मा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि विश्व ने 2030 तक दुनिया से टीबी को ख़त्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 2025 तक ही भारत से टीबी के उन्मूलन का लक्ष्य लेकर चले हैं। भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं ने यह प्रण लिया है कि वे स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर टीबी के मरीजों को न्यूट्रीशन सामग्री पहुंचाएंगे, उन्हें जरूरी दवाएं मुहैया करायेंगे और कुछ मरीजों को गोद लेकर व्यक्तिगत रूप में उन मरीजों की चिंता करेंगे, जब तक कि वे टीबी मुक्त नहीं हो जाते। आपको जानकार ख़ुशी होगी कि मैंने भी स्वास्थ्य विभाग में 11 टीबी मरीजों को गोद लेकर उनकी चिंता करने का जिम्मा लिया है।

भाजपा दिल्ली प्रदेश ने किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क्रॉस कंट्री स्लम दौड़ का आयोजन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नरेन्द्र मोदी क्रॉस कंट्री स्लम दौड़ प्रतियोगिता को झंडी दिखाकर रवाना किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर, 2022 को भाजपा दिल्ली प्रदेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क्रॉस कंट्री स्लम दौड़ का आयोजन किया। इस दौड़ को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से शुरू होकर इंडिया गेट पर संपन्न हुई। केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी एवं श्री निसिथ प्रमाणिक, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा, प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इसमें भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य झुग्गी-झोपड़ियों में रहनेवाली प्रतिभाओं को लोगों के सामने लाना था। 'खेलो इंडिया फिट इंडिया' मूवमेंट को लेकर आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लेनेवालों को भाजपा दिल्ली प्रदेश की ओर से टी-शर्ट और जलपान दिया गया, जबकि विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि और प्रमाण-पत्र मिला। ■

केंद्र से एक रुपया भेजने पर जनता तक केवल 14 पैसे ही पहुंच पाते थे। ये परिवर्तन जो आया है, इसे हमें लोगों तक पहुंचाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के साथ सबने राजनीति की लेकिन ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने एससी वर्ग का सही मायने में सशक्तीकरण किया है। प्रधानमंत्रीजी ने न केवल भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों को विकसित किया है बल्कि बाबा साहब के सपनों को धरती पर उतारा भी है।

बस्तियों में स्वच्छता अभियान चलायें

श्री नड्डा ने अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप बस्तियों में स्वच्छता अभियान चलायें, जहां सरोवर बन रहा है तो वहां श्रमदान करें, पेड़-पौधे लगाएं और लोगों में आत्मविश्वास जगाएं कि हम सब मिलकर अपने गांव, अपने टोले को सही करेंगे। हमारा घर तो साफ़ है लेकिन सामने गंदगी का अंबार खड़ा हो, नालियां गंदी हो तो यह हमारी विफलता है। हमें इसे बदलना होगा। मैं एक और निवेदन करना चाहूंगा कि जब आप बस्ती संपर्क अभियान में जाएं तो पंचतीर्थ के साथ-साथ लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण के बारे में भी लोगों को बताएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमें अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाना है, गुलामी की सभी मानसिकता से आजादी पानी है, अपनी महान विरासत पर गर्व करते हुए आगे बढ़ना है, एकता और एकजुटता के साथ 'न्यू इंडिया' के निर्माण के लिए काम करना है और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भी सही से पालन करना है।

उन्होंने कहा कि यही किंग्सवे पथ अर्थात् राजपथ था जो अब तक हमें गुलामी की जंजीरों से जकड़े हुए था। लोग भी सोचते थे कि जो यहां बैठा है, वह राज करने आया है। प्रधानमंत्रीजी ने अब 'राज पथ' को 'कर्तव्य पथ' में बदल दिया है। इसी तरह अब प्रधानमंत्री निवास 7 रेस कोर्स के बजाय लोक कल्याण मार्ग के रूप में जाना जाता है क्योंकि अब यहां से जन-कल्याण की ही बात होती है। ■

'नबान्न चलो' मार्च पर हुए बर्बरतापूर्ण पुलिसिया अत्याचार दमन की पराकाष्ठा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री जफर इस्लाम, सांसद श्री सौमित्र खान एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अनिर्बान गांगुली ने 15 सितंबर, 2022 को नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में संयुक्त प्रेसवार्ता करके पश्चिम बंगाल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजा एवं सांसद अभिषेक बनर्जी को तानाशाह बताते हुए कहा कि दो दिन पूर्व कोलकाता में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के 'नबान्न चलो' मार्च पर हुए बर्बरतापूर्ण पुलिसिया अत्याचार पूर्वाग्रह और दमन की पराकाष्ठा है। इतना ही नहीं, अभिषेक बनर्जी कहते हैं कि अगर मैं होता तो आंदोलनकारियों के सिर पर गोली मार देता।

राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री जफर इस्लाम ने कहा कि ममता बनर्जी की तानाशाही ने पराकाष्ठा की सारी हदें पार कर दी हैं।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करनेवाले भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आंदोलन कुचलने के लिए ममता बनर्जी की बर्बरतापूर्ण पुलिसिया अत्याचार उनके दोहरे चरित्र को दर्शाता है। इस बर्बरतापूर्ण कार्रवाई से सांसद अभिषेक बनर्जी का मन नहीं भरा, तो उन्होंने कहा कि मैं होता तो उनके सिर पर गोली मार देता।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के पूर्व मंत्री के परिचितों के घर से करोड़ों रुपए नगद पकड़े गए और उनकी गिरफ्तार भी हुई। पश्चिम बंगाल में निरंतर ईडी की कार्रवाई हो रही है। केन्द्रीय जांच एजेंसियों के पास सबूत होने के कारण इन भ्रष्टाचारियों को अदालत से राहत भी नहीं मिल पा रही है। भारतीय जनता पार्टी उन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करती है, तो ममता बनर्जी अपने सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग कर जनता की आवाज कुचलने की कोशिश कर रही है।

> लोकतांत्रिक तरीके से भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करनेवाले भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आंदोलन कुचलने के लिए ममता बनर्जी की बर्बरतापूर्ण पुलिसिया अत्याचार उनके दोहरे चरित्र को दर्शाता है

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी राजनीतिक हिंसा के द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ उठ रही आवाज और आंदोलन को दबाना चाहती है। गत दिन ममता बनर्जी की पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिलीप घोष, भाजपा पश्चिम बंगाल प्रदेश के अध्यक्ष श्री सुवेन्दु अधिकारी, सांसद श्री लॉकेट चटर्जी सहित सांसद, विधायकों और कार्यकर्ताओं पर बर्बरतापूर्ण हमले किये और किसी भी कार्यकर्ता को नहीं बख्शा गया। कई वीडियो के माध्यम से पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पुलिस तंत्र की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई का साक्ष्य सबके सामने आ गया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अनिर्बान गांगुली ने कहा कि पश्चिम बंगाल की पुलिस का पूर्ण रूप से राजनीतिकरण कर दिया गया है। भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पर पुलिस ने बेवजह लाठीचार्ज किया।

सांसद श्री सौमित्र खान ने ममता बनर्जी से इस्तीफा की मांग करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कोयला घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, गौ तस्करी सहित कई घोटाले एवं भ्रष्टाचार हुए हैं, किन्तु भ्रष्टाचार को रोकने के बदले भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं पर बर्बरतपूर्ण हमला कराया जा रहा है। ■

पांच सदस्यीय समिति ने सौंपी रिपोर्ट

पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर बर्बर हमलों को लेकर भाजपा द्वारा 16 सितंबर को गठित पांच सदस्यीय समिति ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को 24 सितंबर, 2022 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस समिति के सदस्यों में उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी सर्वश्री बृजलाल और समीर उरांव (दोनों राज्यसभा सांसद) श्री राज्यवर्धन सिंह राठौर एवं श्रीमती अपराजिता

सारंगी (दोनों लोकसभा सांसद) और श्री सुनील जाखड़ (पंजाब के भाजपा नेता) शामिल थे।

इस रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल सरकार पर राज्य सरकार के व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर कोलकाता में भाजपा के विरोध मार्च के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं पर पुलिस अत्याचार का उल्लेख किया गया है। भाजपा ने कार्यकर्ताओं की निर्मम पिटाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की और राज्य सरकार से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की मांग की। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का तमिलनाडु प्रवास

'तमिलनाडु में कमल खिलने जा रहा है'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 22 सितंबर, 2022 को अपने दो दिवसीय प्रवास पर तमिलनाडु पहुंचे, जहां पहले दिन उन्होंने कराईकुडी में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया, मदुरै में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपतियों एवं प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बैठक की और अन्य कई बैठकों में हिस्सा लिया। श्री नड्डा ने तिरुपत्तूर में महान स्वतंत्रता सेनानियों 'मरुधु बंधुओं' को भी श्रद्धांजलि दी।

कराइकुडी में रैली

कराईकुडी रैली में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि तमिलनाडु में भाजपा का भविष्य उज्ज्वल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में तमिलनाडु में कमल खिलने वाला है। श्री मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत तेजी से विकास कर रहा है और आज हम दुनिया में सबसे तेज विकास करने वाले देशों में शामिल हैं।

भाजपा एकमात्र विचारधारा आधारित पार्टी है

श्री नड्डा ने कहा कि आज भाजपा ही देश में एकमात्र दल है जो विचारधारा पर आधारित है। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है जो क्षेत्रीय आकांक्षाओं का ध्यान रखती है। आज हम किसी विचारधारा पर आधारित पार्टी से नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि उन क्षेत्रीय दलों से लड़ रहे हैं जो विशुद्ध रूप से परिवारवाद और वंशवाद पर आधारित हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक हम इस समस्या को देखते हैं। नेशनल कांफ्रेंस से लेकर समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, वाईएसआरसीपी, टीआरएस से लेकर डीएमके तक— ये सभी परिवार आधारित पार्टियां हैं, जहां परिवार राज करते हैं और कार्यकर्ता ताली बजाते हैं। ये दल न तो राज्य के लिए और न ही राष्ट्र के लिए कोई योगदान करते हैं।

मदुरै में प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत

मदुरै में प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा तमिलनाडु के लोगों की चिंता की है और मोदी सरकार तमिल भाषा एवं संस्कृति को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।
- हमारी नीतियां गरीब समर्थक, किसान समर्थक, महिला समर्थक, बुनियादी ढांचा समर्थक और उद्योग समर्थक रही हैं।
- हमने महिलाओं को सशक्त बनाया है और युवाओं को कौशल प्रदान किया है।
- बेहतर औद्योगिक प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए पिछले 8 वर्षों में लगभग 32,000 अनावश्यक अनुपालनों को हटा दिया गया है।
- प्री-जीएसटी कराधान 23 प्रतिशत हुआ करता था; अब इसे घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। एमएसएमई सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी कई गुना बढ़ गई है।
- विश्व बैंक के निष्कर्षों के अनुसार सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल से 75 प्रतिशत से अधिक एमएसएमई लाभान्वित हुए हैं।
- 2013-14 के बाद से भारतीय फार्मा के निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह फार्मा सेक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ निर्यात प्रदर्शन है।
- आईएमएफ ने पाया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी का स्तर अभी 1 प्रतिशत से नीचे है। विश्व बैंक ने पाया है कि 2011 से 2019 में भारत की अत्यधिक गरीबी में 12.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।
- पहले, राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण औसतन प्रतिदिन केवल 12 किलोमीटर होता था, अब यह बढ़कर औसतन 37 किलोमीटर प्रतिदिन हो गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से प्रगति कर रहा है।

'पूर्वोत्तर भारत के विकास का नया इंजन बन रहा है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 15 सितंबर, 2022 को अपने दो दिवसीय प्रवास पर नागालैंड के दीमापुर पहुंचे। इस प्रवास के दौरान श्री नड्डा ने विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया और प्रदेश में पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा की। श्री नड्डा के आगमन पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस प्रवास के दौरान श्री नड्डा ने वोखा में एक जनसभा को संबोधित किया, कोहिमा में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। दूसरे दिन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कोहिमा में एओ बैपटिस्ट चर्च और कैथेड्रल कैथोलिक चर्च का दौरा किया। श्री नड्डा ने दीमापुर में पुलिस परिसर में बुद्धिजीवियों एवं पेशेवरों के साथ बातचीत की और दीमापुर में प्रदेश भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की।

ओल्ड रिफिम, वोखा में जनसभा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वोखा के जीएमएस मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया और नागालैंड के लोगों से शांति, समृद्धि और विकास के लिए एक बार फिर से एनडीए सरकार लाने का आह्वान किया। श्री नड्डा ने नागालैंड के स्वतंत्रता सेनानियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने मूलनिवासियों की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उनके संबोधन के प्रमुख बिंदुः

- हमें यह भी याद रखना चाहिए कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने रुजाशो गांव के नागा हिल्स में पहले आजाद हिंद प्रशासित गांव की स्थापना की थी।
- नागालैंड 16 जनजातियों का घर है और सभी 16 जनजातियां नागालैंड की संस्कृति के संरक्षण के लिए संघर्ष कर रही हैं। हम नागालैंड के वर्तमान आदिवासी नेताओं के भी आभारी हैं, जो आदिवासी संस्कृति की रक्षा कर रहे हैं।
- अगर किसी ने वास्तव में हमारे आदिवासी समाज की समस्याओं और मुद्दों को पहचाना है और उनके मुद्दों को गंभीरता से लिया है, तो वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'नए भारत' की परिकल्पना में पूर्वोत्तर भारत विकास का नया इंजन बनता जा रहा है। 'राजमार्ग, रेलवे, जलमार्ग, वायुमार्ग और आई-वे' के आधार पर पूर्वोत्तर के विकास को सुनिश्चित करने की योजना तैयार की गई है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'लुक ईस्ट' नीति को 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदल दिया है।
- मोदी सरकार एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत उत्तर पूर्व क्षेत्र को 'दक्षिण पूर्व एशिया' को जोड़ने वाला एक आर्थिक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।
- एनडीए की डबल इंजन सरकार के शासन में नागालैंड अब शांति और समृद्धि की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। ■

'डीएमके' समाज को बांटती है

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में डीएमके विकास की बात करने की हिम्मत नहीं कर सकती। डीएमके में 'डी' का मतलब डायनेस्टी, 'एम' का मतलब 'मनी' और 'के' का मतलब कट्टा पंचायत है। यह डीएमके की सच्चाई है। वे सिर्फ क्षेत्रवाद की बात करते हैं, लेकिन यह भाजपा है जिसने तमिलनाडु के लोगों की क्षेत्रीय आकांक्षाओं का ध्यान रखा है। भाजपा ने तमिलनाडु की समृद्ध संस्कृति, कला और साहित्य को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में बहुमूल्य योगदान दिया है, लेकिन डीएमके का क्या योगदान है? डीएमके सिर्फ नफरत की राजनीति में विश्वास करती है। डीएमके समाज को बांटती है। डीएमके और कांग्रेस ने कभी भी लोगों की क्षेत्रीय आकांक्षाओं का ध्यान नहीं रखा।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और तमिलनाडु प्रभारी श्री सी.टी. रवि, तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष श्री के अन्नामलाई, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री एल मुरुगन, विधानसभा के नेता श्री नागेंद्र और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। ■

भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित

भारतीय जनता पार्टी, ओबीसी मोर्चा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 9 एवं 10 सितंबर, 2022 को जोधपुर (राजस्थान) में आयोजित हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बैठक के समापन-सत्र को संबोधित किया। श्री शाह का भाजपा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष श्री गुलाब चंद कटारिया, उप नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौर एवं अन्य नेताओं ने स्वागत किया।

अपने वक्तव्य में श्री शाह ने 'भारत जोड़ो यात्रा' को लेकर कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने एक बार कहा था कि भारत एक राष्ट्र नहीं है और अब वह विदेशी टी-शर्ट पहनकर देश को एकजुट करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने उग्रवादियों द्वारा उदयपुर के दर्जी कन्हैया लाल की हत्या और करौली हिंसा को लेकर राज्य सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस केवल वोट-बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति कर सकती है। ■

कैप्टन अमरिंदर सिंह भाजपा में शामिल, पंजाब लोक कांग्रेस का भी हुआ विलय

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 19 सितंबर, 2022 को केंद्रीय मंत्रियों सर्वश्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं किरेन रिजीजू की उपस्थिति में अपनी पार्टी 'पंजाब लोक कांग्रेस' का भाजपा में विलय कर दिया।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को एक कारण बताते हुए अपनी पार्टी का भाजपा में विलय किया। उन्होंने कहा कि विदेश में अपनी रीढ़ की सर्जरी से पहले उन्होंने पीएलसी में अपने सहयोगियों के साथ चर्चा की, जिन्होंने उनसे कहा "पंजाब के भविष्य के लिए हमें भाजपा में शामिल होने की जरूरत है।" ■

भाजपा, जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता गुलाम अली खटाना राज्यसभा के लिए मनोनीत

भारतीय जनता पार्टी, जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता श्री गुलाम अली खटाना को 12 सितंबर, 2022 को राज्यसभा सदस्य के लिए नामित किया गया। जम्मू के बठिंडी के इंजीनियर श्री खटाना उच्च सदन में जम्मू-कश्मीर से सदस्य होंगे।

गुर्जर समुदाय के श्री खटाना ने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 70 सालों से उपेक्षित समुदाय से एक साधारण कार्यकर्ता को नामित करके समाज के उपेक्षित वर्गों के उत्थान का अपना वादा निभाया है।" ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा संसदीय दल कार्यालय सचिव की नियुक्ति की

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 23 सितम्बर, 2022 को डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी को भाजपा संसदीय दल का कार्यालय सचिव नियुक्त किया।

इस आशय की प्रेस विज्ञप्ति भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी श्री अरुण सिंह द्वारा जारी की गई। ■

भागीदारी लोकतंत्र की आधारशिला

जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्पष्ट मानना है कि हमारी ताकत जनता की ताकत में है और हमारी ताकत हमारे देश के प्रत्येक नागरिक में निहित है। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य इस बात का द्योतक है कि लोकतंत्र भारत की प्राणवायु में है। जन-भागीदारी की अवधारणा का अर्थ है, नीतियों के कार्यान्वयन में जनता की सामूहिक भूमिका। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार की नीतियों को लागू करने का केंद्रीय पहलू जनशक्ति का समुचित और बेहतर उपयोग करना रहा है। उन्होंने जनता को अपना काम करने के लिए दृढ़ता से प्रेरित किया है। विभिन्न मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रेरित किया है। साथ ही, शासन की सहायता के लिए जनता को प्रेरित करके प्रधानमंत्री ने जन-भागीदारी की इस विशाल शक्ति से होने वाले लाभों को जमीन पर उतारकर दिखाया है।

भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार की नीतियों को लागू करने का केंद्रीय पहलू जनशक्ति का समुचित और बेहतर उपयोग करना रहा है

जन संवाद की सतत प्रक्रिया के बिना जन-भागीदारी अधूरी है। वास्तविक सहभागी शासन, जमीनी हकीकत को समझने के लिए जनता के साथ नियमित संवाद करने की प्रक्रिया पर आधारित है, जिसके बाद मुद्दों के विश्लेषण के आधार पर पॉलिसी पेपर्स तैयार किए जाते हैं और फिर ज्वलंत मुद्दों से निपटने के लिए सही सुझाव दिए जाते हैं। आदर्श रूप से नीतियों के कार्यान्वयन और लाभार्थियों से मिले फीडबैक के आधार पर नीतियों को लागू किया जाता है। विभिन्न माध्यमों से इस सरकार ने लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए जनता और सरकार के बीच इस संवाद को निरंतर बनाए रखने का व्यापक ध्यान रखा है। इसका एक सटीक उदाहरण 'पीएम फसल बीमा योजना' है।

साल 2016 में प्रधानमंत्री द्वारा फसल बीमा के लिए दो प्रमुख योजनाओं के संयोजन और सतत एवं टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करने के बाद इसे साल 2019-2020 में फिर से लॉन्च किया गया था। संशोधित योजना विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन तरीकों के माध्यम से किसानों के लिए समर्पित योजना है, जो उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान करती है। यह कृषि क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए संवाद और सहभागिता की शक्ति का एक सटीक उदाहरण है।

जनता को अपने लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में प्रधानमंत्री मोदी निर्विवाद रूप से सफल रहे हैं। लोक-कल्याणकारी विजन पर आधारित उनके प्रत्येक आह्वान को देश ने हाथों-हाथ लिया है। आम लोगों के जीवन को सहज व सरल बनाने के उनके चिंतन में संपूर्ण देश स्वतः स्फूर्त रूप से जुड़ जाता है। उनका हर संबोधन सदैव आमजन के समग्र विकास के परिप्रेक्ष्य में होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री श्री मोदी का आह्वान राष्ट्रीय अभियान, संकल्प व लक्ष्य तक जाता है।

एक राजनीतिज्ञ के रूप में नीतियों और लाभों को देश के हरेक नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक को इसमें शामिल करने का पीएम मोदी का संकल्प और उनकी दूरदर्शिता को गत आठ वर्षों में देश ने निकट से अनुभव किया है। उदाहरण के लिए खुले में शौच के मुद्दे को लें। प्रधानमंत्री के रूप में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले के अपने पहले उद्बोधन में उन्होंने सभी नागरिकों से 'स्वच्छ भारत अभियान' में भाग लेने का आह्वान किया था। केवल 60 महीनों में 11 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण के साथ एक जन-आंदोलन, जो अब देश में एक लाख से भी अधिक खुले में शौच मुक्त गांवों में परिणत हो चुका है, एक ऐसा कारनामा है, जिसने दुनिया को चकित कर दिया। हालांकि, यह सिर्फ एक स्वच्छता मिशन की तरह लग सकता है, लेकिन इसने देश की मातृशक्ति का

प्रधानमंत्री ने भारत से विलुप्त हो चुके जंगली चीतों को कुनो नेशनल पार्क में छोड़ा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को भारत से विलुप्त हो चुके जंगली चीतों को कुनो नेशनल पार्क में छोड़ा। इन आठ चीतों में से पांच मादा और तीन नर हैं। नामीबिया से लाए गए इन चीतों को 'प्रोजेक्ट चीता', जो मांसाहारी बड़े जंगली जानवरों के अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण की दुनिया की पहली परियोजना है, के तहत भारत में लाया जा रहा है।

श्री मोदी ने कुनो नेशनल पार्क में दो रिलीज पॉइंट पर इन चीतों को छोड़ा। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर चीता मित्रों, चीता पुनर्वास प्रबंधन समूह और छात्रों के साथ बातचीत भी की। इस ऐतिहासिक अवसर पर श्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, श्री भूपेन्द्र यादव, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और श्री अश्विनी चौबे उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री द्वारा कुनो नेशनल पार्क में जंगली चीतों को छोड़े जाने का कदम भारत के वन्य जीवन एवं प्राकृतिक वास को पुनर्जीवित करने व उनमें विविधता लाने के उनके प्रयासों का हिस्सा है। चीता को 1952 में भारत से विलुप्त घोषित कर दिया गया था। जिन चीतों को छोड़ा गया है, वे नामीबिया के हैं और उन्हें इस साल की शुरुआत में हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के तहत भारत लाया गया है।

भारत में चीता को 'प्रोजेक्ट चीता', जो मांसाहारी बड़े जंगली जानवरों के अंतर-महाद्वीपीय स्थानांतरण की दुनिया की पहली परियोजना है, के तहत लाया जा रहा है। ये चीता भारत में खुले जंगल और चरागाहों के इकोसिस्टम को बहाल करने में मदद करेंगे। इससे जैव विविधता के संरक्षण में मदद मिलेगी और यह जल सुरक्षा, कार्बन पृथक्करण और मृदा की नमी के संरक्षण जैसी इकोसिस्टम से जुड़ी सेवाओं को बढ़ाने में मदद करेगा, जिससे बड़े पैमाने पर समाज को लाभ होगा।

यह प्रयास पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और यह पर्यावरण के अनुकूल विकास एवं इकोटूरिज्म की गतिविधियों के जरिए स्थानीय समुदाय की आजीविका के अवसरों में वृद्धि करेगा। भारत की धरती पर चीतों को फिर से लौटाने का यह ऐतिहासिक कदम पिछले आठ वर्षों में स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के विभिन्न उपायों की एक लंबी श्रृंखला का हिस्सा है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं। ■

सम्मान बढ़ाया है, उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की है, इससे बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा मिला है।

एक दूसरा उदाहरण 'जल जीवन मिशन' का हम ले सकते हैं, जिसने अब तक गांवों में 10 करोड़ से अधिक घरों में नल जल कनेक्शन सुनिश्चित किए हैं। 200 करोड़ कोविड टीके लगाने का रिकॉर्ड केवल 18 महीनों में हासिल किया गया। यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को तो एक सामाजिक क्रांति करार दिया गया है (जो सही भी है), उसका आधार भी जन-भागीदारी ही है। एक अन्य उल्लेखनीय जन-आंदोलन है—'वोकल फॉर लोकल।' प्रधानमंत्री द्वारा स्वदेशी व्यापार को बढ़ावा देने और स्थानीय व्यवसायों को प्रोत्साहित करने का एक स्पष्ट आह्वान लोगों में जागरूकता पैदा करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के मामले में एक लंबा सफर तय कर चुका है। इस जन-आंदोलन ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाया है, देश के दूरदराज के हिस्सों में स्टार्टअप को बनाए रखने और पारंपरिक शिल्प को पुनर्जीवित करने में भी मदद की है।

'वोकल फॉर लोकल टॉयज' अर्थात स्थानीय खिलौने को प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल खिलौनों के निर्माण में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' का ही एक अंग है, जिसके सकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। देश में कई खिलौना उत्पादक समूह स्थापित हुए हैं। भारतीय संस्कृति और लोकाचार पर आधारित खिलौनों को विकसित करने के लिए नवीन विचारों को 'क्राउडसोर्स' करने के लिए 'टॉयकैथॉन' जैसे आयोजनों ने गति पकड़ी है। खिलौनों को बीआईएस (भारतीय प्रमाणन ब्यूरो) मानक के अनुसार प्रमाणित किया जाना सभी निर्माताओं के लिए अनिवार्य हो गया है, जिससे कई चीनी प्रतिस्पर्धी समाप्त हो गए हैं। वित्त वर्ष 2019-22 में खिलौनों के आयात में 70 प्रतिशत की कमी और निर्यात में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारतीय खिलौनों का निर्यात रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचा है, यह इस बात का प्रमाण है कि एक संकल्पबद्ध राष्ट्र क्या नहीं कर सकता है!

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि लोकतंत्र केवल एक सरकार को पांच साल के लिए अनुबंध नहीं देता, बल्कि वास्तव में यह जन-भागीदारी है। उन्होंने देश के नागरिकों में जो अटूट विश्वास दिखाया है, उसका अकल्पनीय सकारात्मक परिणाम सामने आया है। जब नीतियां अंतिम पायदान पर खड़े आखिरी व्यक्ति तक पहुंचती हैं, तब लोकतंत्र को वास्तव में सफल माना जाता है। इस प्रकार, प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान का स्पष्ट सार यह है कि सभी की भागीदारी से ही सभी की समृद्धि होती है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।)

जन आकांक्षाओं को पूर्ण करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिव प्रकाश

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की विशेषताओं के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का प्रसिद्ध वाक्य "Of the people, By the people, For the people" है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने भी इसी को आधार माना कि लोकतंत्र का उद्देश्य "जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए" हैं। अर्थात् हमारी समस्त व्यवस्थाओं का आधार जनता है। जनता के द्वारा का अर्थ है कि जनता के वोट से जन प्रतिनिधियों का चयन होगा एवं चयनित जनप्रतिनिधि शासक के सूत्र सम्हाल कर नीति बनाते हुए जनता के कल्याण के लिए कार्य करेंगे। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि जनता केवल वोट देने तक ही सीमित रहेगी। जनता देश के विकास में सक्रिय योगदान दे, वह सही जनप्रतिनिधियों का चयन करें, इसके लिए वह स्वार्थी न हो, क्षुद्र वृतियों से दूर रहे अर्थात निःस्वार्थ, राष्ट्रभक्त, शिक्षित एवं संस्कारित हों। जनता में भविष्य के लिए श्रेष्ठ भारत बनाने का स्वप्न एवं संकल्प रहना आवश्यक है। यह कार्य उचित शिक्षा, नैतिक संस्थान एवं जन नेताओं के श्रेष्ठ आचरण के द्वारा होना संभव है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने समाज में यह संकल्प जगाने के लिए स्वयं का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। विकास में सामान्य जन की सहभागिता मोदीजी की अनुकरणीय पहल है। भारत भविष्य में विश्व में श्रेष्ठ होगा, यह विश्वास भारतीय जनमानस में जागृत हुआ है।

स्वयं का उदाहरण – भारतीय जनसंघ (भारतीय जनता पार्टी) के तत्व द्रष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी से जब यह प्रश्न पूछा गया कि आप राजनीति में क्यों हैं तब उनका उत्तर था कि "नेता शब्द की विकृत हुई छवि के स्थान पर नेता शब्द की सही छवि स्थापित करने के लिए।"

राजनीतिक नेतृत्व के स्वार्थपूर्ण, विभाजित दृष्टि एवं वोट प्राप्ति के लिए गिरते व्यवहार के कारण समाज में नेताओं के प्रति अनास्था का वातावरण बना है। जो नेतृत्व समस्याओं के समाधान का माध्यम होने चाहिए था, जनता उन्हें ही समस्या मानने लगी। गुजरात के मुख्यमंत्री एवं 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री रहते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना उदाहरण जिस प्रकार से प्रस्तुत किया, उससे जनता को लगने लगा कि यह व्यक्ति ही हमारी आकांक्षा पूर्ति का माध्यम हो सकता है। कठोर परिश्रम,

जनता केवल वोट तक सीमित न रहे, उसका विकास एवं समस्याओं के समाधान में सक्रिय सहभाग होने से ही हम आगे बढ़ सकते हैं। इस तथ्य को प्रधानमंत्री मोदीजी ने अच्छी प्रकार समझा

पारदर्शी छवि, प्रत्येक संकट में सदैव अग्रसर एवं आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णय यह सभी विशेषताएं मोदीजी को शेष में कुछ विशेष बनाती हैं। बिना सुरक्षा घेरे के लाल किले का संबोधन उनकी निर्भीकता के साथ-साथ जनता में भी निर्भयता का वातावरण तैयार करता है। मेट्रो ट्रेन में सामान्य नागरिक के समान यात्रा, बच्चों के साथ घुलना-मिलना एवं नागरिकों से संवाद उनकी सहजता एवं सादगी को दर्शाता है। भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार ने भ्रष्टाचारियों में भय एवं गरीबों में एक विश्वास का वातावरण तैयार किया है। इसी का उदाहरण हमें कोरोना काल में देखने को मिला कि जब दुनिया के देश अपने यहां कर्फ्यू का पालन कराने के लिए अर्धसैनिक बलों का सहारा ले रहे थे, तब प्रधानमंत्री मोदीजी के दूरदर्शन पर एक आह्वान मात्र से भारत में स्वतः स्फूर्त जनता कर्फ्यू लगा एवं घंटे-घड़ियाल, बर्तन एवं शंखनाद आदि के माध्यम से एकजुटता तथा मोदीजी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन के प्रति जब हमारे देश के विरोधी दलों के नेता भ्रम फैला रहे थे, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं वैक्सीन लेकर भ्रम को दूर करने का कार्य किया। जिसका परिणाम है कि अब भारत 200 करोड़ से भी अधिक वैक्सीनेशन वाला देश बन गया है और हम निर्भय होकर कोरोना के संकट से बाहर आ गए हैं।

समस्या समाधान एवं विकास में जन सहभागिता – जनता केवल वोट तक सीमित न रहे, उसका विकास एवं समस्याओं के समाधान में सक्रिय सहभाग होने से ही हम आगे बढ़ सकते हैं। इस तथ्य को प्रधानमंत्री मोदीजी ने अच्छी प्रकार समझा। उनके भाषणों में आया प्रसिद्ध वाक्य 130 करोड़ भारतवासी जब एक कदम आगे बढ़ाते हैं, तब भारत 130 करोड़ कदम आगे बढ़ता है उनकी जनता में गहरी आस्था को प्रकट करता है। स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नमामि गंगे, कोरोना काल का सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण की प्रेरणा एवं अभियान, तालाबों की सफाई, वैक्सीनेशन में जनसहभागिता, टी०बी० मुक्त भारत के लिए 'एक रोगी-एक पालक' योजना आदि के माध्यम से उन्होंने समाज में कर्तव्य बोध जगाने में सफलता प्राप्त की है। स्वयं भी इन कार्यों के प्रेरणा के लिए वह समुद्र किनारे कूड़ा-करकट उठाते, हाथ में झाड़ू लेकर सफाई करते दिखाई देते हैं।

भारतीय वैज्ञानिकों में प्रेरणा का परिणाम

हुआ कि हम अपनी वैक्सीन बनाने में सफल हुए। दीपावली के दिन सैनिकों के मध्य उपस्थित होकर प्रेरणा देने का परिणाम हुआ कि प्रत्येक सैनिक सीमा पर साहस के साथ खड़ा है। उद्योग जगत प्रेरित होने का परिणाम हुआ कि हम पीपी किट एवं वेंटीलेटर बनाने में अग्रणी हो गये। आत्मनिर्भर संकल्प का परिणाम हुआ कि हम दुनिया में अर्थव्यवस्था में पांचवें पायदान पर आ गए। मेक इन इंडिया एवं मेक फॉर वर्ल्ड पॉलिसी का परिणाम हुआ कि अब हम सुरक्षा क्षेत्र में भी निर्यात वाले देश हो गए। अब महिला, उद्योग जगत, किसान, मजदूर, सैनिक, शिक्षक, युवा, गरीब, पिछड़े सभी को लगता है कि मोदीजी ही हमारी आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। इस कारण समाज का प्रत्येक वर्ग देश के विकास में सहायक हो रहा है। लाल किले की प्राचीर से उनका आह्वान कि हमारी पॉलिसी, प्रोसेस एवं प्रोडक्ट उत्तम से उत्तम हो, सभी वर्गों के लिए प्रेरक शब्द है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की जन अनुभूति – प्रसिद्ध जननेता संपूर्ण क्रांति के महानायक जयप्रकाश नारायण ने कहा, "जब तक जनता में समुचित नैतिकता एवं आध्यात्मिक गुण विकसित नहीं होते, तब तक सर्वोत्तम संविधान व राजनीतिक प्रणालियां भी लोकतंत्र को सफल नहीं बना सकती।"

उपरोक्त का विचार यदि हम करते हैं तब मोदीजी ने अपने व्यवहार के द्वारा समाज में इन गुणों के विकास का प्रयास किया। संविधान एवं संसद की सीढ़ियों को मस्तक झुका कर प्रणाम, योग विद्या का संवर्धन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थानों पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए उपस्थिति, समाज में नैतिकता एवं आध्यात्मिकता विकसित करती है। 'बंधुत्व' भाव जागरण के लिए हम एक देश के वासी 130 करोड़ भारतीयों का आह्वान, उच्च स्वर में सर्वत्र 'भारत मां की जय' का उद्घोष, सामाज में देशभक्ति एवं बंधुत्व भाव जागृत करता है। नई शिक्षा नीति भी नैतिक गुणों के विकास का माध्यम बनेगी। लाल किले से उनका आह्वान गुलामी की मानसिकता के सभी प्रतीकों को समाप्त करना है, समाज में एक नए स्वाभिमान को जागृत करेगा। प्रधानमंत्री आवास 7 R.C.R अब लोक कल्याण मार्ग हो गया है। राजपथ कर्तव्य पथ के नाम से विभूषित हुआ है। इन सभी का परिणाम है कि भारतीय जनमानस संकुचित भावों से ऊपर उठकर स्वाभिमान के साथ खड़ा हो रहा है।

भविष्य के लिए जन संकल्प – जब जनता के सम्मुख कोई लक्ष्य रहता है। तब सामान्य जनता में भी असामान्य कर्तृत्व प्रकट होता है। समाज के सभी वर्गों एवं भगौलिक क्षेत्रों से स्वतंत्रता के आंदोलन में सक्रियता इसी का उदाहरण है। दुनिया के देश भी इसी संकल्प शक्ति से आगे बढ़े हैं। आजादी के अमृत महोत्सव में तिरंगा यात्रा में यह संकल्प पुनः प्रकट हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक क्षेत्र में हमारी अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन करने का लक्ष्य रखा है। देश इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ता दिख रहा है।

जब हम देश की स्वतंत्रता के 100 वर्षों का महोत्सव मना रहे होंगे, तब हमारा देश कैसा होगा यह स्वप्न देश की जनता देख रही है। 25 वर्षों के अमृतकाल का उपयोग अपने देश को गौरवशाली देश बनाने के लिए हो, यह संकल्प जनता में जागृत होना चाहिए। गरीबी से मुक्त आर्थिक संपन्न, शिक्षा में अग्रणी, सुरक्षित, समरस, सांस्कृतिक क्षेत्र में विश्व का सही पथ का दर्शन कराने वाला भारत हम बनाएंगे, यही संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनता में यह संकल्प जगाने के लिए प्रयासरत हैं, परिश्रम की पराकाष्ठा भी कर रहे हैं। हमारा एवं उनका संकल्प एक बने इसकी आवश्यकता है। परमात्मा उनको सुदीर्घ आयु प्रदान करें, जन्मदिवस पर यही प्रार्थना है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री हैं)

देश में अब 981 संरक्षित क्षेत्र

वर्ष 2014 में संरक्षित क्षेत्रों का जो कवरेज देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.90 प्रतिशत था, वह अब बढ़कर 5.03 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2014 में देश में जहां कुल 1,61,081.62 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ 740 संरक्षित क्षेत्र थे, वहीं अब कुल 1,71,921 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ 981 संरक्षित क्षेत्र हो गए हैं।

पिछले चार वर्षों में वन और वृक्षों के कवरेज में 16,000 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। भारत दुनिया के उन चंद देशों में शामिल है जहां वन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। कम्युनिटी रिजर्व की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में जहां सिर्फ 43 कम्युनिटी रिजर्व थे, 2019 में उनकी संख्या बढ़कर 100 से भी अधिक हो गई है।

भारत में 52 टाइगर रिजर्व हैं, जोकि 18 राज्यों के लगभग 75,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं। यहां दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जंगली बाघ बसते हैं। भारत ने लक्षित वर्ष 2022 से चार साल पहले 2018 में ही बाघों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत में बाघों की संख्या 2014 में 2,226 से बढ़कर 2018 में 2,967 हो गई है।

एशियाई शेरों की संख्या में 28.87 प्रतिशत की वृद्धि दर (अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दरों में से एक) के साथ निरंतर वृद्धि हुई है। एशियाई शेरों की संख्या 2015 में 523 से बढ़कर 674 हो गई है।

भारत में अब (2020) तेन्दुओं की संख्या 12,852 है, जबकि 2014 के पिछले अनुमानों के अनुसार यह संख्या 7910 ही थी। तेन्दुओं की संख्या में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। ■

'भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बना दिया है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 9 सितंबर, 2022 को रायपुर (छत्तीसगढ़) के सायंस कॉलेज मैदान में आयोजित पार्टी के विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया और छत्तीसगढ़ की भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में पूरे छत्तीसगढ़ के लगभग 23,000 बूथों से आये बूथ स्तर के लगभग 51 हजार कार्यकर्ता शामिल हुए। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में यह अब तक का सबसे बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव, प्रदेश भाजपा प्रभारी एवं पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'जय जोहार, जय छत्तीसगढ़' और "छत्तीसगढ़िया- सबसे बढ़िया" का उद्घोष किया और प्रदेश की महान भूमि को नमन किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बना तो यह श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी के कारण बना।

रायपुर के सायंस कॉलेज मैदान में गर्जना करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि एक ओर कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार है जो छत्तीसगढ़ को लूटने में लगी हुई है, वहीं दूसरी ओर हमारी रमन सिंह की सरकार थी जो दिन-रात छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा में लगी हुई थी। राजनीति कुर्सी पर बैठने के लिए नहीं होती, जनता की सेवा करने के लिए होती है लेकिन कांग्रेस ने इसे एक परिवार की सेवा का माध्यम बना लिया है। भारतीय जनता पार्टी के सत्ता, जनता की सेवा का एक माध्यम है क्योंकि जनसेवा ही हमारा मूल मंत्र है, अंत्योदय हमारा दर्शन है और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हमारी प्रेरणा।

एक ओर कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार है जो छत्तीसगढ़ को लूटने में लगी हुई है, वहीं दूसरी ओर हमारी रमन सिंह की सरकार थी जो दिन-रात छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा में लगी हुई थी

कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की कोई विचारधारा नहीं है। भूपेश बघेल, भाई-बहन की पार्टी को चला रहे हैं। आजकल कांग्रेस पार्टी 'भारत जोड़ो'का कार्यक्रम चला रही है। अरे भाई, पहले पार्टी तो जोड़ लो। आप भारत जोड़ने की बात कर रहे हैं लेकिन आपकी पार्टी टूटती जा रही है। जिन्होंने 50-50 साल पार्टी में काम किया, वे कांग्रेस को छोड़कर जा रहे हैं। क्या कभी कांग्रेस पार्टी ने इस पर सोचा? कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता एक परिवार को पालने में लगे हुए हैं। कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बना दिया है। भूपेश बघेल सरकार छत्तीसगढ़ की गरीब जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर कांग्रेस पार्टी का खजाना भरने का पाप कर रही है। ऐसी सरकार को छत्तीसगढ़ में एक सेंकंड भी रहने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि न्यू रायपुर का काम ठप्प पड़ा हुआ है, सभी विकास योजनायें ठप्प पड़ी हुई हैं। प्रदेश में रेत माफिया, शराब माफिया, कोल माफिया दनदनाते घूम रहे हैं। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार कमीशन वाली सरकार है। भूपेश बघेल सरकार दोनों हाथों से छत्तीसगढ़ को लूटने में लगी हुई है। प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध में भारी वृद्धि हुई है। महिलाओं का उत्पीड़न बढ़ा है, बलात्कार के मामले बढ़े हैं। छत्तीसगढ़ का ये क्या हाल बना कर रख दिया है कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने? जो सरकार महिलाओं का सम्मान नहीं कर सकती, उन्हें सत्ता से उखाड़ फेंकने की जरूरत है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था भी अत्यंत दयनीय है। आये दिन समाचार पत्रों में छत्तीसगढ़ से अपराध की ख़बरें छपती हैं। दिन-दहाड़े चाकू चल जाता है। जो सरकार कानून की रक्षा न कर पाए, उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि ये श्री नरेन्द्र मोदी सरकार है जिसने छत्तीसगढ़ को 9 स्मार्ट सिटी की सौगात दी। कांग्रेस की भूपेश बघेल की सरकार आते ही विकास कार्यों पर रोक लगा दी गई। श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 15 वर्षों तक जिस सेवाभाव से छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा की, हम उसी तरीके से आगे भी करते रहेंगे। ■

जन-भावना महासभा में उमड़ी भीड़ लालू-नीतीश सरकार के लिए चेतावनी का सिग्नल है: अमित शाह

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 23 सितंबर, 2022 को पूर्णिया (बिहार) के ऐतिहासिक रंगभूमि मैदान में आयोजित विशाल 'जन-भावना महासभा' को संबोधित किया और बिहार की जनता से सत्ता स्वार्थ, अपराध और भ्रष्टाचार के गठबंधन वाली राजद-जदयू सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं भाजपा, बिहार प्रदेश प्रभारी श्री विनोद तावड़े, सह प्रभारी श्री हरीश द्विवेदी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल, केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री नित्यानंद राय, पूर्व उप-मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, श्री तारकिशोर प्रसाद, श्री रेणु देवी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राधामोहन सिंह, श्री नंद किशोर यादव, श्री मंगल पांडेय, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री भीखू भाई दलसानिया, श्री सम्राट चौधरी, श्री जनक चमार, राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा, श्री सुशील चौधरी, पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया उप-प्रमुख एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संजय मयूख, राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन, श्री राजीव प्रताप रूडी, श्री नितिन नबीन एवं श्री संजय चौरसिया सहित बिहार के सभी वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे।

श्री शाह के भाषण को सुनने के लिए पूर्णिया के साथ-साथ चार सीमावर्ती जिलों से भी भारी भीड़ रंगभूमि मैदान पहुंची। पूरा क्षेत्र भाजपा के झंडों से पट गया था। उन्होंने कहा कि मेरे बिहार आने से लालू यादवजी और नीतीश कुमारजी के पेट में दर्द हो रहा है। कह रहे हैं कि झगड़ा लगाने आये हैं। अरे लालूजी, झगड़ा लगाने के लिए तो आप ही पर्याप्त हो क्योंकि आपका पूरा जीवन तो लड़ाई लगाने में ही गुजरा है। मैं बिहार के सीमावर्ती जिलों के सभी भाइयों-बहनों से कहना चाहता हूं कि जब से लालू यादवजी बिहार की सत्ता में भागीदार बन कर आये हैं, नीतीश कुमार उनकी गोद में बैठे नजर आते हैं। राजद के सत्ता में भागीदार बनने से बिहार के सीमावर्ती जिलों सहित पूरे राज्य में डर का माहौल बन गया है। अपराधी उन्मुक्त हो घूम रहे हैं। कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। मैं आज इस मंच से यहां की जनता को आश्वस्त करते हुए कहना चाहता हूं कि ये सीमावर्ती जिले हिन्दुस्तान का हिस्सा हैं और केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार है, इसलिए किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है।

राजद के सत्ता में भागीदार बनने से बिहार के सीमावर्ती जिलों सहित पूरे राज्य में डर का माहौल बन गया है

उन्होंने कहा कि आज इस जन-भावना महासभा में जनता की उमड़ी भीड़ लालू-नीतीश सरकार के लिए चेतावनी का सिग्नल है। हमारी माताएं-बहनें भी भारी संख्या में इस जनसभा में आई हैं। ये इस बात का द्योतक है कि बिहार में लालू-नीतीश सरकार के गिने-चुने दिन ही बचे हैं।

नीतीश कुमार पर जोरदार हमला करते हुए श्री शाह ने कहा कि नीतीश कुमार ने अपनी राजनीति की शुरुआत से ही एक के बाद एक, सबको धोखा दिया है। सबसे बड़ा धोखा प्रतिष्ठित समाजवादी और राष्ट्रभक्त नेता जॉर्ज फर्नांडीस को दिया। फिर, शरद यादव जी को धोखा दिया। उसके बाद भाजपा को धोखा दिया। फिर, जीतन राम मांझी को धोखा दिया। उसके बाद रामविलास पासवान जी के साथ कपट किया। उसके बाद लालू यादवजी को धोखा देकर पुनः भाजपा के साथ मिल गए और अब प्रधानमंत्री बनने की लालसा में भाजपा को धोखा देकर फिर से लालूजी के पास चले गए। मैं लालू यादवजी और नीतीश कुमारजी, दोनों से कहना चाहता हूं कि आज जो ये बार-बार दल-बदल कर रहे हो, यह धोखा किसी पार्टी के साथ नहीं है, यह धोखा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ नहीं है, बल्कि बिहार के जनादेश के साथ है, बिहार की जनता के साथ है। बिहार की जनता ने लालू यादवजी के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए नीतीश कुमारजी को वोट नहीं दिया था। आप उनसे ये सवाल जरूर करना कि जब वोट आपने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नाम से लिया था तो आज लालू यादवजी के साथ मिलकर हमारी सलामती पर प्रश्नचिन्ह क्यों लगा रहे हो?

श्री शाह ने कहा कि 2024 का चुनाव आने दीजिये, बिहार की जनता लालू-नीतीश की जोड़ी का सूपड़ा साफ करनेवाली है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी हम पूर्ण बहुमत के साथ यहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनायेंगे। ■

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह में 30 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी

वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23 प्रतिशत बढ़ा तथा इसी वित्त वर्ष में 17 सितंबर, 2022 तक अग्रिम कर संग्रह 17 प्रतिशत बढ़कर 2,95,308 करोड़ रुपये पर पहुंचा

देश में प्रत्यक्ष कर संग्रह बहुत मजबूत गति से बढ़ना जारी रखे हुए हैं, जो कि महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियों के रिवाइवल का एक साफ संकेत है। यह सरकार की स्थिर नीतियों का भी परिणाम है जिसमें प्रक्रियाओं को सरल और सुव्यवस्थित करने पर ध्यान दिया गया है और तकनीक के असरदार इस्तेमाल से कर रिसाव को रोका गया है।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 17 सितंबर, 2022 तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े बताते हैं कि इसके शुद्ध संग्रह 7,00,669 करोड़ रुपये रहे, जबकि बीते वित्त वर्ष यानी 2021-22 की इसी अवधि में ये 5,68,147 करोड़ रुपये थे, जो कि 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाते है। 7,00,669 करोड़ रुपये का जो शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह है (नेट रिफंड) उसमें 3,68,484 करोड़ रुपये का निगम कर (सीआईटी) और प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित 3,30,490 करोड़ रुपये पर व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंड के लिए समायोजन से पहले) 8,36,225 करोड़ रुपये है, जिसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 की इसी अवधि में ये 6,42,287 करोड़ रुपये था, वित्त वर्ष 2021-22 के संग्रह पर ये 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी।

8,36,225 करोड़ रुपये के सकल संग्रह में 4,36,020 करोड़ रुपये का निगम कर (सीआईटी) शामिल है और 3,98,440 करोड़ रुपये पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है। छोटी मदों में कर संग्रह की बात करें तो इसमें 2,95,308 करोड़ रुपये का अग्रिम कर; 4,34,740 करोड़ रुपये का स्रोत पर काटा गया कर; 77,164 करोड़ रुपये का स्व-मूल्यांकन कर; 20,080 करोड़ रुपये का नियमित मूल्यांकन कर और अन्य छोटी मदों के तहत 8,933 करोड़ रुपये का कर शामिल है।

वित्त वर्ष 2022-23 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए 17 सितंबर, 2022 तक संचयी अग्रिम कर संग्रह 2,95,308 करोड़ रुपये पर रहा, जबकि उससे तत्काल पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की इसी अवधि के लिए अग्रिम कर संग्रह 2,52,077 करोड़ रुपये था जो 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस 2,95,308 करोड़ रुपये के अग्रिम कर संग्रह में 2,29,132 करोड़ रुपये का निगम कर (सीआईटी) और 66,176 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान दाखिल आयकर रिटर्न की प्रोसेसिंग की रफ्तार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इनमें लगभग 93 प्रतिशत विधिवत रूप से सत्यापित आईटीआर 17 सितंबर, 2022 तक प्रोसेस किए जा चुके हैं। इसके नतीजतन चालू वित्त वर्ष में जारी किए गए रिफंडों की संख्या में लगभग 468 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ उन्हें तेजी से जारी किया गया है।

वित्त वर्ष 2022-23 में 17 सितंबर, 2022 तक 1,35,556 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 में इसी अवधि के दौरान 74,140 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए थे जो कि 83 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ दिखाता है। ■

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक लगे 217.41 करोड़ से अधिक टीके

12-14 आयु वर्ग में 4.09 करोड़ से अधिक टीके की पहली खुराक लगाई गई

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 24 सितंबर की सुबह 7 बजे तक 217.41 करोड़ (2,17,41,04,791) से अधिक हो गया। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 4.09 करोड़ (4,09,22,085) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई। समान रुप से 18-59 आयु वर्ग के लिये प्रीकॉशन खुराक भी 10 अप्रैल, 2022 को प्रारंभ की गई थी।

इस समय भारत में सक्रिय मामले 44,436 हैं। सक्रिय मामले कुल पॉजिटिव मामलों के 0.10 प्रतिशत हैं। भारत में स्वस्थ होने की दर 98.71 प्रतिशत है। महामारी की शुरुआत से स्वस्थ होने वाले मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 4,39,90,414 हो गई है।

भारत ने अब तक कुल 89.33 करोड़ से अधिक (89,33,52,145) जांच की गई है। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 1.69 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 1.62 प्रतिशत है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को दी मंजूरी

इस नीति का लक्ष्य लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाना, वैश्विक मानकों को हासिल करना, लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भारत की रैंकिंग में सुधार लाना तथा वैश्विक व्यापार में बड़ी हिस्सेदारी प्राप्त करने में सहायता करना है

गत 21 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को मंजूरी दे दी। इस नीति में लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिये विषयगत, विभिन्न सेक्टरों, विभिन्न क्षेत्राधिकार वाले तथा व्यापक नीतिगत प्रारूप को चाक-चौबंद बनाने के उपाय किये गये हैं। यह नीति पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की पूरक है। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का लक्ष्य समेकित अवसंरचना का विकास करना है, वहीं राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के तहत लॉजिस्टक्स सेवाओं में कुशलता लाना, कौशल विकास, उच्च शिक्षा में लॉजिस्टिक्स को दुरुस्त करना तथा समुचित प्रौद्योगिकियों को अपनाना शामिल है।

इसकी परिकल्पना में तेज और समावेशी वृद्धि के लिये प्रौद्योगिकी आधारित क्षमता एकीकृत, सस्ते, हर स्थिति में उपयोगी, सतत तथा विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम का विकास करना शामिल है।

इस नीति के तहत लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और इसमें उन लक्ष्यों को हासिल करने की विस्तृत कार्य-योजना को शामिल किया है। लक्ष्य इस प्रकार हैं:

i. वर्ष 2030 तक विश्व मानकों की तुलना मे भारत में लॉजिस्टिक्स की लागत में कटौती करना
ii. वर्ष 2030 तक 25 शीर्ष देशों में लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक रैंकिंग में सुधार लाना
iii. प्रभावी लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम के लिये डाटा आधारित निर्णय समर्थन की संरचना करना

यह नीति सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के बीच प्रतिस्पर्धा, कृषि और सम्बन्धित सेक्टरों, द्रुतगामी उपभोक्ता माल और इलेक्ट्रॉनिक्स को समर्थन देती है। इसके बारे में पूर्वानुमान लगाना बहुत आसान होगा, इसकी पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, आपूर्ति श्रृंखला में बर्बादी तथा बड़ी मात्रा में स्टॉक की जरूरत में कमी आयेगी। ■

भारत सरकार, असम सरकार और आठ आदिवासी समूहों के बीच ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौते पर हुए हस्ताक्षर

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में 15 सितंबर को नई दिल्ली में भारत सरकार, असम सरकार और आठ आदिवासी समूहों के प्रतिनिधियों के बीच ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते से असम में आदिवासियों और चाय बागान श्रमिकों की दशकों पुरानी समस्या समाप्त हो जाएगी। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले आठ समूहों में BCF, ACMA, AANLA, APA, STF, AANLA (FG), BCF (BT) और ACMA (FG) शामिल हैं।

इस ऐतिहासिक समझौते के अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शांतिपूर्ण और समृद्ध उत्तर पूर्व के विजन के अनुसार यह समझौता 2025 तक उत्तर-पूर्व को उग्रवाद मुक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उत्तर-पूर्व को शांत और विकसित बनाने की दिशा में कई प्रयास किए गए हैं जिनमें सबसे प्रमुख पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करना है। श्री शाह ने कहा कि असम के आदिवासी समूहों के 1182 कैडर हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गत तीन वर्षों में भारत सरकार, असम सरकार और इस क्षेत्र की अन्य सरकारों ने आपस में और विभिन्न उग्रवादी गुटों के साथ अनेक समझौते किए हैं। 2019 में NLFT, 2020 में BRU-REANG और बोडो समझौता, 2021 में कार्बी आंगलोंग समझौता और 2022 में असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा समझौते के तहत लगभग 65 प्रतिशत सीमा विवाद को हल कर दिया गया।

श्री शाह ने कहा कि भारत और असम सरकार, आज असम के आदिवासी समूहों के साथ हुए समझौते की शर्तों के पूरी तरह पालन को सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का ये रिकॉर्ड है कि उसने अब तक किए गए सभी समझौतों के 93 प्रतिशत काम पूरे किए हैं। इसके परिणामस्वरूप असम सहित पूरे पूर्वोत्तर में शांति बहाल हुई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूर्वोत्तर में शांति और समृद्धि के लिए उठाए गए अनेक कदमों के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए 2014 से अब तक लगभग 8,000 उग्रवादी हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए हैं। पिछले दो दशकों में सबसे कम उग्रवाद की घटनाएं वर्ष 2020 में दर्ज हुई हैं। 2014 की तुलना में 2021 में उग्रवाद की घटनाओं में 74 प्रतिशत की कमी आई है। इसी अवधि में सुरक्षा बलों की जानहानि में 60 प्रतिशत और आम नागरिकों की मृत्यु की संख्या में 89 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ■

तिलहन उत्पादन 2014-15 में 27.51 मिलियन टन से बढ़कर 2021-22 में 37.70 मिलियन टन हो गया

केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2014-15 से तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया, जिसके अच्छे परिणाम मिले। तिलहन उत्पादन 2014-15 में 27.51 मिलियन टन से बढ़कर 2021-22 में 37.70 मिलियन टन (चौथा अग्रिम अनुमान) हो गया। दलहन उत्पादन में भी इसी तरह की वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 22 सितंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार पिछले 3 वर्षों में दलहन और तिलहन की उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई है। दलहन के मामले में उत्पादकता 727 किग्रा/हेक्टेयर (2018-19) से बढ़कर 980 किग्रा/हेक्टेयर (चौथा अग्रिम अनुमान, 2021-22) अर्थात 34.8 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसी प्रकार तिलहन फसलों में उत्पादकता 1271 किग्रा/हेक्टेयर (2018-19) से बढ़कर 1292 किग्रा/हेक्टेयर (चौथा अग्रिम अनुमान, 2021-22) हो गई है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता तिलहन और दलहन का उत्पादन बढ़ाना और इस प्रकार 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्य को पूरा करना है। इन रणनीतियों का लक्ष्य इन फसलों की खेती का रकबा बढ़ाना, अधिक पैदावार वाली किस्मों के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाना, एमएसपी समर्थन और खरीद के माध्यम से उत्पादन बढ़ाना है। ■

जनऔषधि केंद्रों में बेचे जाएंगे मधुमेह रोगियों के लिए किफायती 'सीटाग्लिप्टिन कम्बिनेसंस'

'प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना' के अंतर्गत फर्मास्यूटिकल तथा मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया ने किफायती कीमतों पर मधुमेह की दवाओं का नया वैरिएंट प्रस्तुत किया

फर्मास्यूटिकल तथा मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) ने प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना के अंतर्गत 16 सितंबर को मधुमेह के लिए दवाओं का नया वैरिएंट सीटाग्लिप्टिन सभी के लिए किफायती मूल्यों पर बिक्री के लिए लॉन्च किया। पीएमबीआई ने अपने सभी जनऔषधि केंद्रों में दवाओं के नए वैरिएंट सीटाग्लिप्टिन और इसके कम्बिनेशन को शामिल किया।

टाइप-2 वाले व्यस्कों में ग्लाइसोमिक नियंत्रण में सुधार के लिए सीटाग्लिप्टिन को आहार और व्यायाम के सहायक के रूप में इंगित किया गया है। सभी वैरिएंट ब्रांडशुदा वैरिएंट की तुलना में 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत कम मूल्य पर उपलब्ध हैं क्योंकि ये अन्य मेडिकल स्टोर पर 162 रुपए से 258 रुपए की मूल्य सीमा में उपलब्ध हैं।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के अंतर्गत पूरे देश में 8700 से अधिक प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं। ये केंद्र गुणवत्ता सम्पन्न जैनेरिक दवाइयां, सर्जिकल उपकरण, न्यूट्रास्यूटिकल तथा अन्य उत्पाद बेच रहे हैं। वर्तमान में इन केंद्रों पर 1600 से अधिक दवाइयां तथा 250 सर्जिकल उपकरण उपलब्ध हैं, जिनमें सुविधा सेनेटरी पैड भी शामिल है जो प्रति पैड 1 रुपए मूल्य पर बेचा जा रहा है।

पीएमबीआई जनऔषधि केंद्रों पर नागरिकों के लिए अच्छी गुणवत्ता और सस्ती कीमतों के आश्वासन के साथ आवश्यक दवाओं की नियमित और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ■

वर्ष 2022-23 में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना

भारत सरकार ने वर्ष 2022-23 में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता नामक योजना शुरू की है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों को पूंजीगत निवेश परियोजनाओं के लिए 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋणों के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 23 सितंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उपर्युक्त योजना के भाग V (ऑप्टिकल फाइबर केबल) के तहत 3000 करोड़ रुपये की राशि निर्दिष्ट की गई है और यह ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) नेटवर्क पर पूंजीगत परियोजनाओं के लिए राज्यों को उपलब्ध होगी। दूरसंचार विभाग की सिफारिश पर व्यय विभाग ने हाल ही में क्रमशः 50 करोड़, 84 करोड़, 65 करोड़ और 156 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ चार राज्यों यथा उत्तराखंड, झारखंड, हरियाणा और कर्नाटक के प्रस्तावों को मंजूरी दी। ■

देश को दिशा दिखा गए दीनदयाल उपाध्याय

तरुण चुघ

भारत की भूमि पर समय-समय पर ऐसे महामानव का अवतरण होता रहा है, जो स्वयं के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के लिए ही जीता और मरता है। उसका जीवन आनेवाली पीढ़ियों के लिए आदर्श होता है, उसका चिंतन समाज के लिए मार्ग होता है और उसका कर्म देश को दिशा देनेवाला होता है। ऐसे ही महामानव थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को आवश्यकता थी अपनी एक ऐसी मौलिक विचारधारा की, जिसमें देश के अंतिम व्यक्ति की चिंता करते हुए राजनीति को सेवा का साधन बनाया जा सके। देश के गौरव की रक्षा करते हुए इसे संपन्न और समृद्ध बनाने के लिए एक चिंतन की। भारत माता की उर्वर धरती ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान सपूत को जन्म देकर एक नई दिशा दिखानेवाले को खड़ा कर दिया। अपने आदर्शों एवं विचारों के कारण भारत के लोगों के दिल-दिमाग में स्थान बनाने वाले और एकात्म मानववाद की विचारधारा देनेवाले जनसंघ के संस्थापकों में शामिल पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजनीति के पथ प्रदर्शक, महान चिंतक, सफल संपादक, यशस्वी लेखक और भारत माता के सच्चे सेवक के रूप में स्मरणीय रहेंगे।

जन्म 25 सितम्बर, 1916 उत्तरप्रदेश के मथुरा जिला के चंद्रभान में एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्म लेनेवाले दीनदयाल उपाध्यायजी का बचपन विपत्तियों में बीता। संघर्ष ही साथी बना रहा और साहस संबल। जब उनकी आयु मात्र ढ़ाई साल की थी, तब उनके जीवन से पिता का साया उठ गया, आठ साल के हुए तो माता चल बसी। यानी पूरी तरह अनाथ हो गए। इसके बाद उनका पालन-पोषण उनके नाना के यहां होने लगा, लेकिन दुर्भाग्यवश दस वर्ष की आयु में उनके नाना का भी देहांत हो गया। अब अल्पायु में ही इनके उपर छोटे भाई को संभालने की भी जिम्मेदारी। कोई भी आदमी होता तो इन विपत्तियों के सामने हार मान लेता, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आगे बढ़ते रहे।

भारत माता की उर्वर धरती ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान सपूत को जन्म देकर एक नई दिशा दिखानेवाले को खड़ा कर दिया। अपने आदर्शों एवं विचारों के कारण भारत के लोगों के दिल-दिमाग में स्थान बनाने वाले और एकात्म मानववाद की विचारधारा देनेवाले जनसंघ के संस्थापकों में शामिल पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजनीति के पथ प्रदर्शक, महान चिंतक, सफल संपादक, यशस्वी लेखक और भारत माता के सच्चे सेवक के रूप में स्मरणीय रहेंगे

उनकी मेधा अद्वितीय थी। माध्यमिक परीक्षा में वे सर्वोच्च रहे, अंतर स्नातक और स्नातक में अव्वल रहे। अंग्रेजी साहित्य में एमए की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, किन्तु पढ़ाई अधूरी छोड़नी

पड़ी। कानपुर में अपनी बीए की पढ़ाई के दौरान महाशब्दे और सुंदर सिंह भंडारी के साथ मिलकर समाज सेवा करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार एवं भाऊराव देवरस से संपर्क में आने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से प्रभावित होकर संघ से जुड़ गए। अविवाहित रहकर जीविकोपार्जन की चिंता न करते हुए अपने जीवन को देश और समाज के लिए समर्पित कर दिया। राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और स्वदेश के यशस्वी संपादक के रूप में उन्होंने राष्ट्रवादी स्वर को मुखर किया। पं. दीनदयाल उपाध्याय एक सफल साहित्यकार भी थे। एक सफल लेखक के रूप में अपनी रचनाओं को युवाओं और देशवासियों को प्रेरित किया। उनका एक-एक विचार और चिंतन देश के लिए काम आया। दूरदर्शिता और कार्यक्षमता ने आजादी के बाद देश की राजनीति में दिशाहीनता को समाप्त कर एक वैचारिक विकल्प दिया।

1951 में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ में पहले महामंत्री बनाए गए। 1967 में जनसंघ के अध्यक्ष बने, लेकिन महज 44 दिनों तक ही कार्य कर पाए, जो देश के लिए दुःखद रहा। उनकी प्रतिभा, सांगठनिक शक्ति और कार्यक्षमता को देखकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कहना पड़ा कि यदि मुझे ऐसे दो दीनदयाल मिल जाएं तो मैं देश का राजनीतिक मानचित्र बदल दूंगा।

राष्ट्र निर्माण व जनसेवा में उनकी तल्लीनता के कारण उनका कोई व्यक्तिगत जीवन नहीं रहा। उनके पास जी कुछ भी था, वह समाज और राष्ट्र के लिए था। उनके विचारों और त्याग की भावना ने उन्हें अन्य लोगों से अलग सिद्ध कर दिया। दीनदयाल उपाध्याय जनसंघ के राष्ट्रजीवन दर्शन के निर्माता माने जाते हैं। उनका उद्देश्य स्वतंत्रता की पुनर्रचना के प्रयासों के लिए विशुद्ध भारतीय तत्व-दृष्टि प्रदान करना था। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए एकात्म मानववाद की विचारधारा दी। उनका विचार था कि आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख होना चाहिए। उनका कहना था कि 'भारत में रहने वाला, इसके प्रति ममत्व की भावना रखने वाला मानव समूह एक जन हैं। उनकी जीवन प्रणाली, कला, साहित्य, दर्शन सब भारतीय संस्कृति है। इसलिए भारतीय राष्ट्रवाद का आधार यह संस्कृति है। इस संस्कृति में

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने व्यक्तिगत व सामुदायिक जीवन को गुणवत्ता प्रदान करने का मार्ग देश को दिखाया। वर्तमान समय में समाज जीवन को एकात्म मानववाद से निकले मूल्यों व संस्कारों को आत्मसात करने से ही समाज और राष्ट्र का भला होगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन के प्रत्येक पक्ष हम सब के लिए अनुकरणीय है, क्योंकि उन्होंने हर क्षेत्र में सहयोग, समन्वय व सह-अस्तित्व को स्थान दिया है। अंत्योदय के जनक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने वंचित वर्ग के हित संवर्धन के लिए साझा सामाजिक दायित्वों को प्राथमिकता देने के लिए सम्यक दृष्टि भी प्रदान की। जयंती पर ऐसे महामानव को शतकोटि नमन

निष्ठा रहे तभी भारत एकात्म रहेगा।' किसी भी व्यक्ति या समाज के गुणात्मक उत्थान के लिए आर्थिक और सामाजिक पक्ष ही नहीं उसका सर्वांगीण विकास अनिवार्यता है। पं. दीनदयाल उपाध्यायजी का मत था कि राष्ट्र की निर्धनता और अशिक्षा को दूर किए बिना गुणात्मक उन्नति संभव नहीं है। ख़ास बात यह है कि अंत्योदय के वैचारिक प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्यायजी का दर्शन मात्र लेखन व उनके चिंतन तक ही सीमित नहीं था। संगठन के कार्य से वह जब भी प्रवास के लिए जाते थे, तब भी वे वरीयता के आधार पर समाज में अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के यहां ही ठहरते थे। ऐसा उदाहरण भारतीय राजनीति में बिरले ही मिल रहा है।

वर्तमान में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार एकात्म मानववाद को केंद्र में रखते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति के उत्थान एवं विकास के संकल्प के साथ समाज के कमजोर और गरीब वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। गत आठ वर्षों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने गरीब-कल्याण के अपने लक्ष्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन और अंत्योदय की विचारधारा को साकार कर दिखाया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार का सीधा असर है कि अंत्योदय योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ देश के गरीब, वंचित, शोषित और पीड़ितों को मिल रहा है। देश ही नहीं, बल्कि आज पूरा विश्व भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। इसके पीछे निश्चित रूप से मोदी सरकार की एकात्म मानववाद पर आधारित नीतियां ही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने व्यक्तिगत व सामुदायिक जीवन को गुणवत्ता प्रदान करने का मार्ग देश को दिखाया। वर्तमान समय में समाज जीवन को एकात्म मानववाद से निकले मूल्यों व संस्कारों को आत्मसात करने से ही समाज और राष्ट्र का भला होगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन के प्रत्येक पक्ष हम सब के लिए अनुकरणीय है, क्योंकि उन्होंने हर क्षेत्र में सहयोग, समन्वय व सह-अस्तित्व को स्थान दिया है। अंत्योदय के जनक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने वंचित वर्ग के हित संवर्धन के लिए साझा सामाजिक दायित्वों को प्राथमिकता देने के लिए सम्यक दृष्टि भी प्रदान की। जयंती पर ऐसे महामानव को शतकोटि नमन। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

'एकात्ममानवदर्शन' द्वंद्व और दुराग्रह से मुक्ति दिलाता है: नरेन्द्र मोदी

दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि देश की प्रगति का पैमाना अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति होता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महान भारतीय चिन्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्ममानवदर्शन' और 'अंत्योदय' पर चर्चा की और कहा कि दीनदयालजी का 'एकात्ममानवदर्शन' एक ऐसा विचार है, जो विचारधारा के नाम पर द्वंद्व और दुराग्रह से मुक्ति दिलाता है। श्री मोदी ने 25 सितम्बर को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 93वीं कड़ी में यह बात कही।

श्री मोदी ने कहा कि आज 25 सितंबर को देश के प्रखर मानवतावादी, चिन्तक और महान सपूत दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्मदिन मनाया जाता है। किसी भी देश के युवा जैसे-जैसे अपनी पहचान और गौरव पर गर्व करते हैं, उन्हें अपने मौलिक विचार और दर्शन उतने ही आकर्षित करते हैं।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी के विचारों की सबसे बड़ी खूबी यही रही है कि उन्होंने अपने जीवन में विश्व की बड़ी-बड़ी उथल-पुथल को देखा था। वो विचारधाराओं के संघर्षों के साक्षी बने थे। इसीलिए, उन्होंने 'एकात्ममानवदर्शन' और 'अंत्योदय' का एक विचार देश के सामने रखा जो पूरी तरह भारतीय था।

श्री मोदी ने कहा कि दीनदयालजी का 'एकात्ममानवदर्शन' एक ऐसा विचार है, जो विचारधारा के नाम पर द्वंद्व और दुराग्रह से मुक्ति दिलाता है। उन्होंने मानव मात्र को एक समान मानने वाले भारतीय दर्शन को फिर से दुनिया के सामने रखा।

उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है– 'आत्मवत् सर्वभूतेषु' अर्थात्, हम जीव मात्र को अपने समान मानें, अपने जैसा व्यवहार करें। आधुनिक, सामाजिक और राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में भी भारतीय दर्शन कैसे दुनिया का मार्गदर्शन कर सकता है, ये दीनदयालजी ने हमें सिखाया। एक तरह से आजादी के बाद देश में जो हीनभावना थी, उससे आजादी दिलाकर उन्होंने हमारी अपनी बौद्धिक चेतना को जागृत किया। वो कहते भी थे– 'हमारी आज़ादी तभी सार्थक हो सकती है जब वो हमारी संस्कृति और पहचान की अभिव्यक्ति करे।' इसी विचार के आधार पर उन्होंने देश के विकास का विजन निर्मित किया था।

श्री मोदी ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि देश की प्रगति का पैमाना अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति होता है। आज़ादी के अमृतकाल में हम दीनदयालजी को जितना जानेंगे, उनसे जितना सीखेंगे, देश को उतना ही आगे लेकर जाने की हम सबको प्रेरणा मिलेगी।

'परहित सरिस धरम नहीं भाई'

'मन की बात' के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है–'परहित सरिस धरम नहीं भाई' यानी दूसरों का हित करने के समान, दूसरों की सेवा करने, उपकार करने के समान कोई और धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों देश में समाज सेवा की इसी भावना की एक और झलक देखने को मिली। आपने भी देखा होगा कि लोग आगे आकर किसी ना किसी टी.बी. से पीड़ित मरीज को गोद ले रहे हैं, उसके पौष्टिक आहार का बीड़ा उठा रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि दरअसल, ये टीबी मुक्त भारत अभियान का एक हिस्सा है, जिसका आधार जनभागीदारी है, कर्तव्य भावना है। सही पोषण से ही, सही समय पर मिली दवाइयों से, टीबी का इलाज संभव है। मुझे विश्वास है कि जनभागीदारी की इस शक्ति से वर्ष 2025 तक भारत जरुर टीबी से मुक्त हो जाएगा।

अब शहीद भगत सिंह के नाम से जाना जाएगा चंडीगढ़ एयरपोर्ट

चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम बदलकर शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितम्बर को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के दौरान इसका उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज से तीन दिन बाद यानी 28 सितम्बर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन हम भारत मां के वीर सपूत भगत सिंह जी की जयंती मनाएंगे।

श्री मोदी ने कहा कि भगत सिंह जी की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लें, उनके आदर्शों पर चलते हुए उनके सपनों का भारत बनाएं, यही उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होती है। शहीदों के स्मारक, उनके नाम पर स्थानों और संस्थानों के नाम हमें कर्तव्य के लिए प्रेरणा देते हैं। अभी कुछ दिन पहले ही देश ने कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति की स्थापना के ज़रिये भी ऐसा ही एक प्रयास किया है और अब शहीद भगत सिंह के नाम से चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम इस दिशा में एक और कदम है। ■

प्रख्यात हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव नहीं रहे

प्रख्यात हास्य कलाकार और भाजपा नेता श्री राजू श्रीवास्तव, जिन्हें द ग्रेट इंडिया लाफ्टर चैलेंज में गजोधर भैया की भूमिका के लिए जाना जाता है, का 58 वर्ष की आयु में 21 सितंबर को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। 10 अगस्त को सीने में दर्द का अनुभव करने और जिम में वर्कआउट करने के दौरान गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त करते हुए एक ट्वीट में कहा, "राजू श्रीवास्तव ने हास्य और सकारात्मकता के साथ हमारे जीवन को उज्ज्वल किया है। वह हमें बहुत जल्द छोड़कर चले गये, लेकिन वह वर्षों तक अपने समृद्ध अभिनय की बदौलत अनगिनत लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। उनका निधन दुःखद है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।"

उनके निधन पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "प्रसिद्ध हास्य अभिनेता श्री राजू श्रीवास्तव जी के निधन की खबर सुनकर अवाक हूं। राजू श्रीवास्तव जी ने हास्य की दुनिया में एक अलग छाप छोड़ी है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ईश्वर पवित्र आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे।"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा; श्री राजू श्रीवास्तव जी ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से हास्य कला की शैली को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद् के माध्यम से राज्य के पारंपरिक कौशल के उत्थान में सराहनीय योगदान दिया है। ■

ओडिशा विधानसभा में भाजपा के उपनेता विष्णु चरण सेठी का निधन

भाजपा के वरिष्ठ नेता और धामनगर से विधायक श्री विष्णु चरण सेठी का 19 सितंबर को एम्स भुवनेश्वर में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे। ओडिशा के भद्रक जिले के तिहिड़ी प्रखंड के मंगराजपुर गांव के रहने वाले श्री सेठी दो बार विधायक रहे।

छात्र राजनीति में सक्रिय श्री सेठी वर्ष 2000 में पहली बार चांदबली से और फिर 2019 में धामनगर विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए। वह विधानसभा में विपक्ष के उपनेता थे। श्री सेठी ने अपनी काव्य प्रतिभा और सीधे-सादे दृष्टिकोण के कारण दो बार ओडिशा लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता हासिल की। उन्होंने राजनीति में प्रवेश करने के लिए राज्य प्रशासनिक सेवा से त्यागपत्र दे दिया था। श्री सेठी ने भद्रक से प्रकाशित एक स्थानीय दैनिक बिशेश खबर में उप-संपादक के रूप में एक संक्षिप्त अवधि के लिए काम किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और उड़ीसा के विधायक श्री विष्णु चरण सेठी के निधन की दुःखद सूचना मिली। श्री नड्डा ने कहा, "उन्होंने हमेशा प्रदेश में लोगों के हित में प्रयास किया। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।"

राज्यपाल श्री गणेशी लाल और कई अन्य नेताओं ने भी श्री सेठी के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री सेठी के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। ■

मध्य प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता उमेश शर्मा नहीं रहे

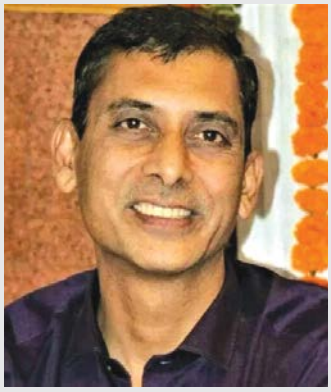

मध्य प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता श्री उमेश शर्मा का 11 सितंबर को इंदौर में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। गुजरात से लौटने के बाद श्री शर्मा को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक ट्वीट में कहा, "मध्य प्रदेश भाजपा के हमारे वाक्पटु प्रवक्ता श्री उमेश शर्मा जी के असामयिक निधन पर हृदय दुःख से भरा है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं। इस दुःख की घड़ी में हम शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।" मप्र भाजपा अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, "हृदय द्रवित है, अब केवल उमेश जी की यादें हमारे साथ रह गई हैं। उमेश जी के आकस्मिक निधन से मध्य प्रदेश भाजपा परिवार दुःखी है।" ■

प्रधानमंत्री मोदीजी के जन्मदिन पर विशेष

मोदी सरकार की ज्यादातर योजनाएं 'अंत्योदय' पर आधारित हैं

गणेश सिंह

सांसद, सतना, मध्य प्रदेश

मोदी स्टोरी

मोदी सरकार की एक पहचान नवोन्मेषी योजनाओं को विकसित करना और उनके माध्यम से परिणामों को प्राप्त करने के लिए योजनाओं का त्वरित कार्यान्वयन करना है। साथ ही, इनमें से अधिकांश योजनाएं 'अंत्योदय' की आवधारणा पर आधारित हैं, जो अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रेरित करती है।

मध्य प्रदेश की सतना विधानसभा से सांसद श्री गणेश सिंह एक ऐसी ही योजना के शुभारंभ की घटना बताते हैं, जहां योजना उनके पहुंचने से पहले ही उनके निर्वाचन क्षेत्र के गांव में पहुंच गई थी।

> अधिकांश योजनाएं 'अंत्योदय' की आवधारणा पर आधारित हैं, जो अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रेरित करती है

एक बार संसद के सत्र के दौरान, एक सरकारी योजना के कार्यान्वयन के लिए आकांक्षी जिलों की सूची की घोषणा की गई थी। इन जिलों में सांसद गणेश सिंह के निर्वाचन क्षेत्र के कुछ गांव भी शामिल किये गये थे और प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और योजना के कार्यान्वयन को देखने के लिए कहा।

श्री गणेश सिंह शुक्रवार की रात को अपने निर्वाचन क्षेत्र के लिए ट्रेन से रवाना हुए और शनिवार की सुबह गांव रजरवारा पहुंचे। गांव पहुंचने पर उन्होंने पाया कि योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के एक अपर सचिव वहां पहले से ही मौजूद थे, जिसे देखकर उन्हें काफी आश्चर्य हुआ।

जब श्री गणेश सिंह ने अधिकारी से पूछा कि वह वहां कैसे पहुंचा, तो अधिकारी ने जवाब दिया कि ये गांव उसके अधीन थे इसलिए वह गांवों का दौरा करने आये है। श्री सिंह मप्र सरकार के कामकाज की गति देखकर हैरान रह गये, क्योंकि 48 घंटे पहले ही इस योजना की घोषणा की गई थी।

इस योजना की घोषणा को केवल 48 घंटे ही बीते थे और सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र में पहुंचे, फिर भी योजना के उचित कार्यान्वयन के लिए एक सरकारी अधिकारी गांव में मौजूद था।

इससे सांसद को प्रधानमंत्री श्री मोदी की गतिशील विचार प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एहसास हुआ। उन्हें यह भी आश्चर्य हुआ कि सांसद के गांव पहुंचने से पहले ही एक सरकारी अधिकारी वहां पहुंच जाता है, सभी आंकड़े एकत्र करता है और वहां पहुंचने पर सांसद से मिलता है।

श्री गणेश सिंह कहते हैं कि वे 2004 से सांसद हैं, लेकिन किसी योजना के क्रियान्वयन के लिए ऐसी प्रतिबद्धता कभी नहीं देखी। ■

टीएन भारतन: केरल में जनसंघ के संस्थापक सदस्य

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

निस्वार्थ सेवा की कहानी
श्री टी.एन भारतन
जन्म तिथि: 26-05-1925
सक्रिय वर्ष: 1957-1960
स्थान - राज्य / जिला -
केरल, मलप्पुरम

मलप्पुरम जिले के नीलांबुर के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले श्री टी.एन. भारतन वर्ष 1946 से लेकर अगले चार साल तक आरएसएस के प्रचारक रहे। उन्होंने कोझिकोड से इंटरमीडिएट कोर्स और बनारस यूनिवर्सिटी से सिरेमिक टेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। श्री भारतन ने वर्ष 1943 में प्रथम वर्ष (ओटीसी) का प्रशिक्षण हासिल किया, द्वितीय वर्ष के लिए 1944 में बेलगाम गये और नागपुर में अपने तृतीय वर्ष का संगठनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया।

31 मार्च, 1957 को पलक्कड़ में आयोजित सम्मेलन में उन्हें जनसंघ का पहला प्रदेश मंत्री चुना गया। श्री भारतन ने जनसंघ के उम्मीदवार के रूप में दो चुनाव लड़े, 1967 में गुरुवायूर से विधानसभा चुनाव और केरल प्रदेश के गठन से ठीक पहले कोझीकोड नगरपालिका चुनाव।

श्री भारतन, जैसाकि उनके विषय में सभी जानते हैं, वह हमेशा हर आंदोलन, हर कार्यक्रम के दौरान प्रमुख भूमिका में रहा करते थे। चाहे वह मलप्पुरम जिले के गठन के खिलाफ आंदोलन हो, या थाली महादेव मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए, अट्टापदी मंदिर का मुद्दा हो, मनाथला आंदोलन हो, नियमित मार्ग से जुलूस निकालने का हिंदुओं का अधिकार हो, तनूर पुलिस फायरिंग का मुद्दा या मलप्पुरम जिले के चमरावट्टम में नदी की रेत इकट्ठा करने के लिए हिंदू मजदूरों का आंदोलन हो। जनसंघ और संघ के संगठनों के एक वरिष्ठ नेता के रूप में उन्हें सभी राजनेताओं और धार्मिक नेताओं द्वारा व्यापक रूप से सम्मानित किया गया। 1980 में जब भाजपा का गठन हुआ, तो वह मलप्पुरम में भाजपा के जिलाध्यक्ष का पद संभालने के लिए आगे आए।

उनकी एक बेटी, हैमावती और दो बेटे दुर्गादासन और श्रीधर कुमारन थे। दुर्गादास ने अपने पिता के मार्ग का अनुसरण किया और संघ प्रचारक बन गए। 1981 में कोल्लम जिले में सेवा के दौरान सीपीएम के गुंडों ने उनकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। श्री भारतन का जन्म 26 जुलाई, 1925 को हुआ था और उनका निधन 20 जनवरी, 2001 को हुआ। ■

सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब के निर्माण के लिए 1.54 लाख करोड़ रुपये का समझौता ज्ञापन

गत 13 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात सरकार के सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब के निर्माण के लिए वेदांता-फॉक्सकॉन समूह के साथ 1.54 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर पर प्रसन्नता व्यक्त की।

श्री मोदी ने कहा कि यह समझौता निवेश, अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ सहायक उद्योगों के लिए एक व्यापक इको-सिस्टम तैयार करने में भी सहायता करेगा और इस तरह एमएसएमई की भी मदद करेगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के एक ट्वीट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि यह समझौता ज्ञापन भारत की सेमीकंडक्टर निर्माण महत्वाकांक्षाओं को गति प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। 1.54 लाख करोड़ रुपये का निवेश, अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह सहायक उद्योगों के लिए एक व्यापक इको-सिस्टम तैयार करने में सहायता करेगा और इस तरह एमएसएमई की भी मदद करेगा।

इससे पहले श्री भूपेंद्र पटेल ने अपने ट्वीट में कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि मान. प्रधानमंत्रीजी के भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में गुजरात ने पहल कर राज्य में सेमीकंडक्टर व डिस्प्ले फेब निर्माण के लिए वेदांता-फॉक्सकॉन ग्रुप के साथ 1.54 लाख करोड़ रुपये के MoU किए हैं। ■

हिमाचल के युवाओं ने तिरंगे का मान बढ़ाया: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 सितंबर, 2022 को मंडी, हिमाचल प्रदेश में 'युवा विजय संकल्प रैली' को संबोधित किया। श्री मोदी ने देश के विकास के साथ-साथ देश की सुरक्षा में हिमाचल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर पर हमले से लेकर कारगिल युद्ध तक, हिमाचल के बहादुर लोगों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है और मां भारती का सिर ऊंचा रखा है।'

श्री मोदी ने पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'स्थिर सरकार के लाभों को देखते हुए, अब देश के लोग भी आगे बढ़ रहे हैं और अपना निर्णय दे रहे हैं।' पिछली केंद्र सरकारों और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के बीच के अंतर को इंगित करते हुए श्री मोदी ने कहा, "पिछले 8 वर्षों में, केंद्र सरकार ने हिमाचल में राष्ट्रीय राजमार्ग के रखरखाव और विस्तार के लिए लगभग 14,000 करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि 2014 से पहले 8 साल में हिमाचल प्रदेश को दो हजार करोड़ से भी कम मिला था।

श्री मोदी ने आगे कहा:

- हिमाचल की जनता ने भी फिर से भाजपा सरकार चुनने का फैसला किया है।
- हिमाचल के वैश्विक फार्मेसी हब बनने से विश्व फार्मेसी के रूप में भारत की पहचान और मजबूत होगी।
- हिमाचल देश के उन चार राज्यों में से एक है जहां चिकित्सा उपकरण पार्क स्थापित किए जा रहे हैं।
- डबल इंजन वाली सरकार हिमाचल में प्रमुख संस्थानों का निर्माण कर रही है।
- आईआईटी मंडी, सिरमौर में आईआईएम, ऊना में आईआईआईटी और बिलासपुर में एम्स के अलावा, मंडी में एक विश्वविद्यालय भी है और धर्मशाला में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय भी है।
- कुल्लू शॉल हो, किन्नौरी शॉल, चंबा रुमाल, कांगड़ा पेंटिंग, चंबा चप्पल, या लाहुली हॉट सॉक्स, इन सभी को जीआई टैग प्रदान किया गया है।
- मेरी भी कोशिश रहती है कि मैं जब भी विदेशी मेहमानों से मिलूं तो उन्हें हिमाचल के ये उत्पाद गिफ्ट करूं। ■

भारत में सेमीकंडक्टर के विकास और डिस्प्ले विनिर्माण इकोसिस्टम कार्यक्रम में संशोधन को मिली मंजूरी

गत 21 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत में सेमीकंडक्टर के विकास और डिस्प्ले विनिर्माण इकोसिस्टम कार्यक्रम में निम्न संशोधनों को मंजूरी दी:

i. भारत में सेमीकंडक्टर फैब की स्थापना की योजना के तहत सभी प्रौद्योगिकी नोड्स के लिए परियोजना लागत के 50 प्रतिशत की समानता के आधार पर वित्तीय सहायता।

ii. डिस्प्ले फैब स्थापित करने की योजना के तहत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत की समानता के आधार पर वित्तीय सहायता।

iii. भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब और सेमीकंडक्टर एटीएमपी/ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना के लिए योजना के तहत पूंजीगत व्यय के 50 प्रतिशत की समानता के आधार पर वित्तीय सहायता। इसके अतिरिक्त योजना के तहत लक्षित प्रौद्योगिकियों में डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब्स भी शामिल होंगे।

संशोधित कार्यक्रम के तहत सभी प्रौद्योगिकी नोड्स के लिए सेमीकंडक्टर फैब की स्थापना की परियोजना लागत के 50 प्रतिशत हिस्से की वित्तीय सहायता समानता के आधार पर प्रदान की जाएगी। कंपाउंड सेमीकंडक्टर और उन्नत पैकेजिंग की विशिष्ट प्रौद्योगिकी एवं प्रकृति को देखते हुए संशोधित कार्यक्रम; कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और एटीएमपी/ओएसएटी की स्थापना के लिए योजना के तहत पूंजीगत व्यय के 50 प्रतिशत की समानता के आधार पर वित्तीय सहायता।

इस कार्यक्रम ने भारत में फैब स्थापित करने के लिए कई वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों को आकर्षित किया है। संशोधित कार्यक्रम से भारत में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण के निवेश में तेजी आयेगी। संभावित निवेशकों से चर्चा के आधार पर यह उम्मीद की जाती है कि पहली सेमीकंडक्टर सुविधा स्थापित करने का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। ■

सेवा के माध्यम से आम जनता को सशक्त बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 20 एवं 21 सितंबर, 2022 को दो दिवसीय गुजरात प्रवास पर रहे। पहले दिन श्री नड्डा ने राजकोट (गुजरात) में भाजपा के भव्य 'जन-प्रतिनिधि सम्मेलन' को संबोधित किया और जन-प्रतिनिधियों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा के माध्यम से लोगों का दिल जीतते हुए आम जनता का सशक्तीकरण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गुजरात से भाजपा के सांसद, विधायक तथा जिला परिषद्, नगरपालिका, बीडीसी एवं

महानगरपालिका के चुने हुए जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस जन-प्रतिनिधि सम्मेलन में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. भारती श्याल, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वजुभाई वाला, पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रुपाणी, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और गुजरात सरकार में मंत्री श्री जीतूभाई वाघानी भी उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि गुजरात की जनता ने भाजपा को सदैव अपना आशीर्वाद दिया है। लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में लगातार जीत तो छोड़िये, यहां की जनता ने तो स्थानीय निकाय के चुनावों में भी भाजपा को ऐतिहासिक समर्थन दिया है। ये है जनता का आशीर्वाद और पार्टी कार्यकर्ताओं की अथक परिश्रम का नतीजा।

सौराष्ट्र क्षेत्र और गुजरात की विकास कहानी को तथ्यों के साथ प्रस्तुत करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भुज में लगभग 4,000 करोड़ रुपये की लागत से विकास योजनाओं पर काम चल रहा है। कच्छ में सरदार सरोवर कैनाल के ब्रांच का उद्घाटन हो रहा है। दाहोद में लगभग 840 करोड़ रुपये की लागत से दाहोद जिला रीजनल वाटर सप्लाई की योजना शुरू हुई है। दाहोद स्मार्ट सिटी पर 335 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। अहमदाबाद में लगभग 632 करोड़ रुपये की लागत से ओलंपिक लेवल का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बन रहा है। जामनगर में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की आधारशिला रखी गई है। वलसाड में पोर्टेबल वाटर की एक बड़ी योजना पर काम हो रहा है जो लगभग साढ़े चार लाख लोगों को कवर करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजकोट को एम्स की सौगात दी है जिस पर लगभग 1,195 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। राजकोट में 112 करोड़ रुपये की लागत से लाइटहाउस बन रहा है। गुजरात देश का ऐसा पहला प्रदेश है जहां सेन्ट्रल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर - विद्या समीक्षा केंद्र बनने जा रहा है जो लगभग तीन लाख शिक्षकों, लगभग एक करोड़ छात्रों और लगभग 54 हजार विद्यालयों की कार्यविधि को मॉनिटर करेगा। यह शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति की तरह है। राजकोट में लगभग 2500 करोड़ रुपये की लागत से एयरपोर्ट बन रहा है।

'वीरांजलि' कार्यक्रम का उद्घाटन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 सितंबर, 2022 को गांधीनगर में युवक सेवा सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में आयोजित देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर देनेवाले महान क्रांतिकारियों के जीवन पर आधारित 'वीरांजलि' कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

'नमो किसान पंचायत: ई-बाइक' को हरी झंडी दिखाकर रवाना

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 सितंबर 2022 को नभोई (गांधीनगर) के पटेल फार्म में भाजपा किसान मोर्चा के कार्यक्रम 'नमो किसान पंचायतः ई-बाइक' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उनसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के कल्याण हेतु लिए गए इनिशिएटिव को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया।

प्रोफ़ेसर समिट

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 सितंबर, 2022 को टैगोर हॉल, अहमदाबाद (गुजरात) में आयोजित 'प्रोफ़ेसर समिट' को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लाई गई क्रांति पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा प्रधानमंत्रीजी ने विगत 8 वर्षों में दुनिया में भारत और भारतवासियों का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में महान नालंदा विश्वविद्यालय को उसका खोया हुआ गौरव पुनः दिलाने के लिए लगभग 2700 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 – नई शिक्षा नीति भी समय की मांग और जरुरत के हिसाब से देश की शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाये रखने के लिए लाई गयी है। शिक्षा क्षेत्र पर जीडीपी के 6 प्रतिशत हिस्से का सार्वजनिक व्यय भी इस शिक्षा नीति के तहत किया गया है। ■

ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय डेयरी महासंघ विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन 2022 का उद्घाटन

आज भारत में डेयरी कोऑपरेटिव का एक विशाल नेटवर्क है: नरेन्द्र मोदी

डेयरी कॉपरेटिव्स देश के दो लाख से ज्यादा गांवों में करीब-करीब दो करोड़ किसानों से दिन में दो बार दूध जमा करती हैं और उसे ग्राहकों तक पहुंचाती हैं

गत 12 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डेयरी महासंघ विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन (आईडीएफ डब्ल्यूडीएस) 2022 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, केंद्रीय कृषि और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार बालियान, सांसद श्री सुरेन्द्र सिंह नागर और डॉ. महेश शर्मा, अंतरराष्ट्रीय डेयरी फेडरेशन के अध्यक्ष श्री पी. ब्रेजाले और अंतरराष्ट्रीय डेयरी महासंघ की महानिदेशक सुश्री कैरोलिन एमोंड उपस्थित थे। प्रौद्योगिकी के माध्यम से 75 लाख किसान इस आयोजन से जुड़े।

श्री मोदी ने सभा को अपने संबोधन में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डेयरी सेक्टर के विश्व भर के गणमान्य व्यक्ति आज भारत में एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि विश्व डेयरी शिखर सम्मेलन विचारों के आदान-प्रदान का एक बड़ा माध्यम बनने जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि डेयरी सेक्टर का सामर्थ्य न सिर्फ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देता है, बल्कि ये दुनिया भर में करोड़ों लोगों की आजीविका का भी प्रमुख साधन है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व के अन्य विकसित देशों से अलग भारत में डेयरी सेक्टर की असली ताकत छोटे किसान हैं। भारत के डेयरी सेक्टर की पहचान 'मास प्रोडक्शन' से ज्यादा 'प्रोडक्शन बाय मासेस' की है। एक, दो या तीन मवेशियों वाले इन छोटे किसानों के प्रयासों के आधार पर भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश में 8 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार प्रदान करता है।

भारतीय डेयरी प्रणाली की दूसरी अनूठी विशेषता इसके बारे में चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज भारत में डेयरी कोऑपरेटिव का एक ऐसा विशाल नेटवर्क है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि ये डेयरी कॉपरेटिव्स देश के दो लाख से ज्यादा गांवों में करीब-करीब दो करोड़ किसानों से दिन में दो बार दूध जमा करती हैं और उसे ग्राहकों तक पहुंचाती हैं।

डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर में विमेन पावर 70 प्रतिशत वर्कफोर्स का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर की असली कर्णधार महिलाएं हैं। श्री मोदी ने कहा कि इतना ही नहीं, भारत के डेयरी कॉपरेटिव्स में भी एक तिहाई से ज्यादा सदस्य महिलाएं ही हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि 2014 के बाद से हमारी सरकार ने भारत के डेयरी सेक्टर के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए निरंतर काम किया है। आज इसका परिणाम दूध उत्पादन से लेकर किसानों की बढ़ी आय में भी नजर आ रहा है। श्री मोदी ने कहा कि 2014 में भारत में 146 मिलियन टन दूध का उत्पादन होता था। अब ये बढ़कर 210 मिलियन टन तक पहुंच गया है।

संबोधन के समापन में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक डिजिटल सिस्टम पर काम कर रहा है, जो पशुधन क्षेत्र की एंड-टू-एंड गतिविधियों को कैप्चर करेगा। यह इस क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सटीक जानकारी प्रदान करेगा। ■

पिछले आठ वर्षों में दूध उत्पादन में 44 फीसदी से अधिक की वृद्धि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर केंद्र सरकार ने डेयरी क्षेत्र की बेहतरी के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पिछले आठ वर्षों में दूध उत्पादन में 44 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। भारतीय डेयरी उद्योग की सफलता की कहानी, जो वैश्विक दूध का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा है, सालाना लगभग 210 मिलियन टन का उत्पादन करती है और 8 करोड़ से अधिक डेयरी किसानों को सशक्त बनाती है।

एससीओ को विश्वस्त, रेसिलिएंट और डायवर्सिफाइड सप्लाई चेन्स विकसित करने चाहिए: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 16 सितंबर को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति श्री शावकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) राष्ट्राध्यक्षों की परिषद् की 22वीं बैठक में भाग लेने के लिए उज्बेकिस्तान के समरकंद पहुंचे। समरकंद पहुंचने पर श्री मोदी का उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री अब्दुल्ला अरिपोव द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

वहां पर एससीओ शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज जब पूरा विश्व महामारी के बाद आर्थिक रिकवरी की चुनौतियों का सामना कर रहा है, एससीओ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। एससीओ के सदस्य देश वैश्विक जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं और विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या भी एससीओ देशों में निवास करती है। उन्होंने कहा कि भारत एससीओ सदस्यों के बीच अधिक सहयोग और आपसी विश्वास का समर्थन करता है। महामारी और यूक्रेन के संकट से ग्लोबल सप्लाई चेन्स में कई बाधाएं उत्पन्न हुईं, जिसके कारण पूरा विश्व अभूतपूर्व ऊर्जा एवं खाद्य संकट का सामना कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि एससीओ को हमारे क्षेत्र में विश्वस्त, रेसिलिएंट और डायवर्सिफाइड सप्लाई चेन्स विकसित करने के लिए प्रयत्न करने चाहिए। उन्होंने कहा कि खाद्य संकट का एक संभावित समाधान है millets की खेती और उपभोग को बढ़ावा देना। हमें एससीओ के अंतर्गत एक 'मिलेट फूड फेस्टिवल' के आयोजन पर विचार करना चाहिए।

समरकंद में रूसी संघ के राष्ट्रपति से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के मौके पर 16 सितंबर को रूसी संघ के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के संदर्भ में श्री मोदी ने शत्रुता को शीघ्र समाप्त करने और बातचीत एवं कूटनीति को अपनाने की जरूरत के अपने आह्वान को दोहराया।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 सितंबर को उज्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति श्री शावकत मिर्जियोयेव से मुलाकात की। द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे होने से यह वर्ष दोनों देशों के लिए खास है। दोनों नेताओं ने दिसंबर 2020 में आयोजित वर्चुअल शिखर सम्मेलन के निर्णयों के कार्यान्वयन सहित द्विपक्षीय संबंधों में समग्र प्रगति की सराहना की।

व्यापारिक संभावनाओं की दृष्टि से चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे के अधिक उपयोग सहित कनेक्टिविटी को अहम माना गया। अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों नेता इस बात पर एकमत थे कि अफगानिस्तान की धरती का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन के उत्कृष्ट आयोजन और उज्बेकिस्तान की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति श्री मिर्जियोयेव को बधाई दी।

वाराणसी पहली एससीओ पर्यटन एवं सांस्कृतिक राजधानी नामित

शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद् की समरकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित 22वीं शिखर बैठक में 16 सितंबर, 2022 को वाराणसी शहर को 2022-2023 की अवधि के लिए पहली एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी नामित किया गया।

ईरान के राष्ट्रपति से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और ईरान इस्लामी गणराज्य के राष्ट्रपति श्री इब्राहिम रायसी ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में एससीओ के राष्ट्राध्यक्ष परिषद् की बैठक के आयोजन के दौरान मुलाकात की। 2021 में राष्ट्रपति श्री रायसी के पदभार ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति श्री रायसी के बीच यह पहली बैठक थी।

दोनों राजनेताओं ने शहीद बेहेस्ती टर्मिनल, चाबहार बंदरगाह के विकास में हुई प्रगति की समीक्षा की।

दोनों राजनेताओं ने अफगानिस्तान सहित अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय विकास पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति श्री रायसी ने प्रधानमंत्री को जेसीपीओए वार्ताओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी।

तुर्की गणराज्य के राष्ट्रपति के साथ बैठक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 सितंबर को तुर्की गणराज्य के राष्ट्रपति श्री रेसिप तैय्यप अर्दोगन के साथ मुलाकात की। दोनों राजनेताओं ने भारत-तुर्की संबंधों की समीक्षा की। ■

केन्द्रीय गृह मंत्री ने 75वें हैदराबाद मुक्ति दिवस और सेवा कार्यक्रम में भाग लिया

15 अगस्त, 1947 के दिन पूरा देश आज़ादी का उत्सव मना रहा था, लेकिन हैदराबाद को आज़ादी नसीब नहीं हुई थी। 13 महीनों तक निज़ाम के अन्यायों और अत्याचारों को ये क्षेत्र सहन करता रहा और उसके बाद जब सरदार पटेल ने पुलिस एक्शन लिया, तब तेलंगाना स्वतंत्र हुआ। कई वर्षों से इस क्षेत्र के लोगों की मांग थी कि हैदराबाद मुक्ति दिवस को सरकारी तौर पर मनाया जाए, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण यहां शासन करने वालों ने हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का साहस नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने 17 सितंबर, 2022 को हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने की जो परंपरा शुरू की है, इसे हैदराबाद को स्वतंत्र करने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में आने वाले समय में और भी ज्यादा जोर-शोर से मनाया जाएगा

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 17 सितंबर को तेलंगाना में 75वें हैदराबाद मुक्ति दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और केन्द्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का उद्देश्य इस मुक्ति संग्राम के इतिहास और जाने-अनजाने शहीदों की गाथाओं को युवा पीढ़ी के मन में पुनर्जीवित कर उनके मन में देशभक्ति की लौ जगाना है। इससे हमारी नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना पुनर्जीवित होगी।

उन्होंने कहा कि लौह पुरूष सरदार पटेल ने ऑपरेशन पोलो का निर्णय कई कठिनाइयों के बावजूद लिया और इस क्षेत्र को आज़ाद कराकर अखंड भारत के स्वप्न को पूरा किया। वे लौह पुरूष सरदार पटेल ही थे, जिन्होंने निज़ाम की सेना को पुलिस एक्शन से परास्त करके इस पूरे क्षेत्र के लोगों को आज़ादी की सांस लेने का अधिकार दिया था।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज ही के दिन 1948 में तेलंगाना, मराठवाड़ा और कल्याण कर्नाटक स्वतंत्र हुए और 13 से 17 सितंबर, 1948 के दौरान 109 घंटों के संघर्ष में अनेक वीर यहां शहीद हुए।

उन्होंने कहा कि निज़ाम और उसके रजाकारों ने कई प्रकार के कठोर क़ानून लगाकर असहनीय अन्याय और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करके तीनों राज्यों की जनता को कुचलने का प्रयास किया था। इन कुकृत्यों और अत्याचारों के ख़िलाफ़ हमारे लोगों ने आंदोलन किया था और अंततोगत्वा हम विजयी हुए। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद मुक्ति दिवस को संपूर्ण शासकीय आदेश के अंतर्गत मनाने का निर्णय लेकर हैदराबाद मुक्ति आंदोलन को स्वीकृति और श्रद्धांजलि देने का काम किया है।

श्री शाह ने कहा कि आज मोदीजी ने जो परंपरा शुरू की है, हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने की, इसे हैदराबाद को स्वतंत्र करने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों के शहीदों के सम्मान में इससे भी ज्यादा जोर-शोर से अनेक सालों तक मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश को सुरक्षित और विकसित किया है, भारतीय और भारतीयता को उच्चतम शिखर पर बिठाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं और देश के सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, वो उपक्रम निश्चित रूप से जारी रहेगा और हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाना भी निश्चित रूप से जारी रहेगा। ■

मोदीजी ने 'भारत-प्रथम' सोच के लिए असंभव कार्यों को संभव बनाया: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 72वें जन्मदिन के अवसर पर उनकी प्रशंसा की और कहा कि वह अपनी 'भारत प्रथम' सोच और गरीबों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता से असंभव कार्यों को संभव बनाते हैं।

प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाने के लिए हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित 'सेवा कार्यक्रम' में भाग लेते हुए श्री अमित शाह ने कहा, "गरीब कल्याण, सुशासन, विकास, राष्ट्रसुरक्षा व ऐतिहासिक सुधारों के समांतर समन्वय से श्री नरेन्द्र मोदी ने मां भारती को पुनः सर्वोच्च स्थान पर आसीन करने के अपने संकल्प को धरातल पर चरितार्थ किया है। यह निर्णायक नेतृत्व और उस नेतृत्व में जनता के अटूट विश्वास के कारण ही सम्भव हो पाया है।" उन्होंने कहा, "एक सुरक्षित, सशक्त व आत्मनिर्भर नए भारत के निर्माता श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन सेवा और समर्पण का प्रतीक है। आजादी के बाद पहली बार करोड़ों गरीबों को उनका अधिकार देकर मोदी जी ने उनमें आशा और विश्वास का भाव जगाया है। आज देश का हर वर्ग चट्टान की तरह मोदी जी के साथ खड़ा है।" ■

'उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के राष्ट्रीय कार्यक्रम' में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को मिली मंजूरी

उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के उत्पादन के लिए एक इकोसिस्टम का निर्माण करना है

गत 21 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल में गीगा वाट (जीडब्ल्यू) पैमाने की उत्पादन क्षमता हासिल करने हेतु कुल 19,500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 'उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के राष्ट्रीय कार्यक्रम' में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (किस्त II) के कार्यान्वयन के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के उत्पादन के लिए एक इकोसिस्टम का निर्माण करना है और इस प्रकार नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आयात पर निर्भरता को कम करना है। यह कदम 'आत्मनिर्भर भारत' की पहल को मजबूत करेगा और रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

एक पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से सोलर पीवी निर्माताओं का चयन किया जाएगा। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) का वितरण सौर पीवी उत्पादन संयंत्रों के चालू होने के बाद पांच वर्षों के लिए किया जाएगा और यह प्रोत्साहन घरेलू बाजार से उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल की बिक्री पर दिया जाएगा।

इस योजना से निम्न अपेक्षित परिणाम/लाभ होंगे:

i. यह अनुमान किया जाता है कि पूर्ण और आंशिक रूप से एकीकृत, सौर पीवी मॉड्यूल की लगभग 65,000 मेगावाट प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता की स्थापना की जाएगी।
ii. इस योजना से लगभग 94,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष निवेश आएगा।
iii. ईवीए, सोलर ग्लास, बैकशीट आदि जैसी शेष सामग्रियों के लिए उत्पादन क्षमता का निर्माण।
iv. लगभग 1,95,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 7,80,000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार।
v. लगभग 1.37 लाख करोड़ रुपये का आयात प्रतिस्थापन।
vi. सौर पीवी मॉड्यूल में उच्च दक्षता प्राप्त करने हेतु अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता					
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/- ☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/- ☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

समरकंद (उज्बेकिस्तान) में 16 सितंबर, 2022 को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद् की 22वीं बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 14 सितंबर, 2022 को भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ बैठक करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 सितंबर, 2022 को अहमदाबाद, गुजरात में 'केंद्र–राज्य विज्ञान सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में 17 सितंबर, 2022 को चीता मित्रों, चीता पुनर्वास प्रबंधन समूह और छात्रों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

19 सितंबर, 2022 को 7 लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली में अपने आवास पर एक सिख प्रतिनिधिमंडल से भेंट करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

एकता नगर (गुजरात) में सभी प्रदेशों के पर्यावरण मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह